Tc.No. : GUJHIN00722

पेजः 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्षः 1 अंकः 29 , 19 अक्टुबर, गुरुवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

आईजीआई एयरपोर्ट पर यात्री से कारतूस बरामद

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर एक यात्री के बैग से जांच के दौरान .32 बोर का एक कारतूस बरामद किया है। आरोपी यात्री को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर चेक इन एरिया में सामान की जांच के दौरान मुंबई जाने वाले यात्री के बैग में संदिग्ध सामान होने की आशंका के चलते सीआईएसएफके सुरक्षा कर्मियों ने उसने बैग की तलाशी ली । तलाशी के दौरान उनके बैग से .32 बोर का एक कारतूस बरामद किया है। यात्री के बैग से कारतूस मिलते ही सीआईएसएफने उसे हिरासत में ले लिया और बाद में आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस को सौंप दिया।

डॉलर का झांसा देकर महिला ने डेढ़ लाख ठगे

पूर्वी दिल्ली। थाना शकरपुर पुलिस ने डॉलर का झांसा देकर लाखों की ठगी करने वाली महिला को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई महिला की शिनाख्त शंतो के तौर पर हुई। पुलिस के मुताबिक कुछ दिन पूर्व थाना शकरपुर में खजूरी में सिलाई का काम करने वाले मोहम्मद बदशरुल शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसके पास एक महिला अधिक्तर कपड़े सिलवाने आती थी। एक दिन महिला ने पीड़ित को एक डॉलर दिखाया और कहा कि उसके पास काफी डॉलर हैं। पीड़ित उसके झांसे में आ गया और डॉलर की बात डेढ़ लाख रु पए में तय हुई। इसके बाद महिला ने पीड़ित को लक्ष्मीनगर बुलाया, जहां उसके साथ एक लड़का भी था। महिला ने रु पए लेकर उक्त लड़के को दिए और पीड़ित को एक पैकेट दिया। महिला ने पीड़ित से कहा कि पैकेट को घर जाकर देखना। पीड़ित ने जब पैकेट खोला तो उसमें कागज के टुकडे भरे हुए थे। पीड़ित ने मामले की सूचना थाना शकपुर पुलिस को दी। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधा पर महिला को लक्ष्मीनगर से गिरफ्तार कर लिया।

तोहफाः यहां भी राज्य कर्मचारियों को मिलेगा 7वें वेतन आयोग का फायदा

जयपुर। राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने धनतेरस के अवसर पर मंगलवार को राज्य के 12 लाख से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों और पेंशनरों के लिये सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने की घोषणा की है। इसके मुताबिक राज्य कर्मचारियों को अक्टूबर माह से 7वें वेतन आयोग के अनुरूप बढ़ा हुआ वेतन मिलेगा। मुख्यमंत्री ने धनतेरस के पावन पर्व पर राज्य कर्मचारियों सहित सभी प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भत्ते, विसंगति, बकाया एवं स्टेप-अप के प्रकरणों के परीक्षण के लिए सावंत समिति को अधिकत किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के बाहर पटाखे जलाने को लेकर 14 लोग हिरासत म

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली-एनसीआर में पटाखे बेचने पर लगे बैन के बाद मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने 14 लोगों को हिरासत में और 29 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही 1,200 किलोग्राम से ज्यादा पटाखे जब्त किए हैं। दिल्ली में पटाखों की बिक्री पर लगे अस्थायी प्रतिबंध के विरोध में स्ट के बाहर पटाखे जलाने को लेकर 14 लोगों को हिरासत में ले लिया गया। वहीं दिल्ली के अन्य जगहों पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करके 29 लोगों को गिरफ्तार किया। मंगवलार को सुप्रीम कोर्ट के बाहर दिल्ली पुलिस को शीर्ष अदालत के गेट के बाहर प्रदर्शन होने के बारे में सूचना मिली थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक संगठन से जुड़े होने का दावा करने वाली तीन महिलाओं सहित 14 लोगों को हिरासत में लिया गया और उन्हें तिलक मार्ग पुलिस थाना ले जाया गया। वहीं दूसरी ओर दिल्ली पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक ने पुलिस उपायुक्तों को निर्देश दिया था कि वह पटाखों की बिक्री पर रोक को सुनिश्चित करें।

गृह मंत्रालय ने राज्य सरकारों से कहा- त्योहारी मौसम में सर्तक रहें

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकारों को इस त्योहारी मौसम में आतंकवादी और विध्वंसकारी तत्वों द्वारा शांति में खलल डालने और सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिशों के खिलाफ और अधिक सतर्क रहने को कहा है। देशभर में जारी किए गए परामर्श में मंत्रालय ने सभी राज्यों से बाजारों, रेलवे स्टेशनों, बस टर्मिनलों और धार्मिक स्थलों जैसे स्थानों पर अतिरिक्त बल तैनात करने को कहा है, ताकि नापाक कोशिशों को नाकाम किया जा सके।

2 लाख दीप जलाकर बनाया गया विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। दिवाली की पूर्व संध्या पर अयोध्या में सरयू तट रोशनी से जगमग हो गया। जय श्रीराम के गगनभेदी नारों और हेलीकाप्टर से की गयी पुष्प वर्षा के बीच मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की नगरी अयोध्या बुधवार को दो लाख दीपक प्रज्जवलित कर गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गयी।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यों को राम राज्य स्थापित करने की दिशा में उठाये गये कदम करार देते हुए आज कहा कि केन्द्र सरकार के कार्यों से देश के आम नागरिक को जो सुख मिलेगा, वही राम राज्य होगा। योगी ने आध्यात्मिक नगरी अयोध्या में दीपावली के भव्य आयोजन के अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है कि हर परिवार के सिर पर छत हो। वर्ष 2019 तक अपना व्यक्तिगत शौचालय हो, बिजली हो। यही रामराज्य है। अगर हर गरीब के पास र हो, रोजगार हो, बिजली हो तो उसके लिये वही रामराज्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने संकल्प से सिद्धि तक का मंत्र दिया है। उनका संकल्प है कि एक ऐसा भारत बने जो गंदगी, गरीबी, जातिवाद, सम्प्रदायवाद, आतंकवाद, नक्सलवाद से मुक्त हो। उन्होंने कहा भगवान राम उस समय के सबसे बड़े आतंक के पयार्य रावण और उसकी सेना को मारकर अयोध्या लौटे थे। आज इस देश को जिस दिशा में प्रधानमंत्री ले जा रहे हैं। निरन्तर विकास की योजनाएं चल रही है। हम आप सबको आश्वस्त कर सकते हैं। एक—एक कर सारे कार्य हो रहे हैं। केवल उस संकल्प के साथ जुड़िये, अगर आपके पास ताकत होगी तो उसके बल पर कुछ भी कर सकते हैं। वह ताकत होगी विकास की। वह ताकत होगी भारत को ताकतवर बनाने की इच्छा की। जय श्री राम के गगनभेदी नारों के बीच गोरक्षपीठाधीश्वर ने कहा कि अयोध्या के बारे में देश और दुनिया के मन में क्या है। इसकी तस्वीर पेश करने के लिए जरूरी था कि दुनिया को मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाली सभी चीजें देने वाली अयोध्या को उसके असल रूप में पेश किया जाए। उसे नकारात्मक चर्चा के बिंदु से उसे सकारात्मकता तक ले जाने का हमारा अभियान है। योगी ने कहा, थाईलैंड और इंडोनेशिया में श्रीराम राम का बहुत महत्व है। वहां की हर सड़क का नाम भगवान राम के नाम पर है। सीएम योगी ने कहा कि सबसे बड़े मुश्लिम देश इंडोनेशिया के लोग मानते हैं कि उनका धर्म इस्लाम जरूर है लेकिन उनके पूर्वज भगवान राम हैं। उन्होंने कहा कि आज यहां इंडोनेशिया के कलाकार रामलीला करने आए हैं। दीप महोत्वस से पूर्व बोलते हुए सीएम योगी ने कहा कि आज राज्य सरकार में किसी के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं है। रामराज्य की यही खासियत है, रामराज्य में सभी को समान अवसर थे। किसी भी वर्ग के साथ कोई भेदभाव नहीं था। सीएम योगी ने कहा कि अगर वह अयोध्या आते हैं तो लोग कहते हैं अयोध्या क्यों आते हैं। और यदि अयोध्या नहीं आएंगे तो कहेंगे कि डर के मारे अयोध्या नहीं जा रहे।

यूपी सरकार ने किए ये काम-

-सीएम योगी ने कहा राज्य सरकार ने 25 हजार करोड़ रुपए रुपए का गन्ना किसानों का भुगतान किया गया।

अयोध्या में ऐतिहासिक दिवालीः

-लाखों किसानों का कर्ज माफ किया गया।

-35 हजार टन गेहूं की खरीद की गई।

अयोध्या में योगीः इन योजनाओं का ऐलान कर सकते हैं सीएम योगी

'श्री राम चन्द्र कृपाल भजमन..' के साथ अयोध्या के राम कथा पार्क में राज्याभिषेक शुरू हो गया। पुष्पक विमान के प्रतीक हेलीकाप्टर से श्री राम व सीता के प्रतीक स्वरूप के पहुंचने पर भव्य आरती हुई। राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, सहित कई मंत्री, सांसद, सभी विधायक मौजूद हैं। बेहद दिव्य और राममय वातावरण के बीच दीपोत्सव कार्यक्रम शुरू हो गया। पर्यटन मंत्री रीता बहुगुणा ने न्यास अध्यक्ष नृत्य गोपाल सहित संतो का स्वागत शाल देकर किया। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की नगरी अयोध्या में छोटी दीपावली मनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंच चुके हैं। सीएम योगी ने श्रीराम का रस्मी तौर पर राज्याभिषेक किया।

जबरदस्ती घुस कर रहने के आरोप में 14 लड़कियां निष्कासित

कोलकाता। कोलकाता के सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ने सोमवार को 14 लड़कियों को निष्कासित कर दिया। इन लड़कियों से बॉयज हॉस्टल खाली कर उसे लड़कों के लिए छोड़ देने का आदेश हुआ था जिससे कि वहां नए बैच के लड़कों को रहने की जगह दी जा सके। इन लड़कियों को गर्ल्स हॉस्टल में शिफ्ट होने का आदेश दिया गया था।

इसके अलावा कॉलेज प्रशासन ने 10 लड़कों के भी ऊपर पुलिस में शिकायत दर्ज करवाया है। इन लड़कों पर जबरदस्ती गर्ल्स हॉस्टल में घुस कर रहने का आरोप लगा है।

कॉलेज में लड़के और लड़कियों को अलग-अलग हॉस्टल में शिफ्ट किए जाने को लेकर पिछले तीन महीने से प्रशासन और छात्रों के बीच लगातार ताना-तनी बनी हुई थी।

जिसके बाद बीते सोमवार को कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन को यह कठोर फैसला लेना पड़ा। मंगलवार को इस नोटिस के विरोध में छात्रों ने एडमिन बिल्डिंग को ब्लॉक कर इसके खिलाफ प्रदर्शन भी किया। जिसके बाद कैंपस के बाहर पुलिस बल की भी तैनाती की गई। कॉलेज की निदेशक देवप्रिया मित्रा ने हिन्दुस्तान से बात-चीत में कहा, हमें ये अंतिम फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि हमारे पास और कोई चारा नहीं बच गया था।

छात्रों को इस बाबत लगातार चेतावनी भी दी गई थी।

हमने उनके मां-बाप को भी इस बारे में लिखा लेकिन इससे कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि, कॉलेज गवर्निंग काउंसिल ने 2009 में ही लड़के और लड़कियों के लिए अलग हॉस्टल का फैसला लिया था। 2013 में केंद्र से अलग हॉस्टल के लिए फंड भी भेजा गया, जिसके बाद साल 2015 में इसे पूरा कर लिया गया।

इस साल जून में जब कॉलेज प्रशासन ने लड़के-लड़कियों को अलग-अलग हॉस्टल में शिफ्ट करने की कोशिश की तो 230 में से 30 बच्चों ने इस पर ऐतराज कर दिया कि हॉस्टल उनकी प्राइवेट जगह है।

वहां वो कॉलेज प्रशासन का 'फरमान' नहीं मानेंगे।

फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, पुणे और अन्य संस्थानों में अलग हॉस्टल की व्यवस्था बहुत पहले ही लागू कर दी गई है।

श्रीचिता दास (फिल्म डायरेक्शन की पढाई कर रही हैं और निष्काषित छात्रों में से एक) ने कहा कि, हमारी लड़ाई सिर्फ हॉस्टल को लेकर नहीं है बल्कि हम अन्य कई मूलभूत सुविधाओं की मांग के लिए प्रोटेस्ट कर रहे हैं। आपको बता दें एसआरएफटीआई. कोलकाता देश के दो सेंट्रल फंडेड प्रीमियर फिल्म संस्थानों में से एक है। इसकी स्थापना 1995 में हुई थी।

हर्षिता मर्डर केसः

हरियाणवी सिंगर की बहन ने अपने पति को बताया हत्यारा

पानीपत। हरियाणवी सिंगर एवं डांसर हर्षिता दहिया हत्या मामले में नया खुलासा हुआ है। हर्षिता की बड़ी बहन लता ने अपने पति (हर्षिता के जीजा) पर अपनी सिंगर बहन की हत्या का आरोप लगाया है। लता ने पानीपत पुलिस को बताया कि हर्षिता की हत्या उसके जीजा दिनेश ने करवाई है। गौरतलब है कि लता का पति दिनेश हर्षिता से रेप के आरोप में इनदिनों जेल में बंद है। दिनेश पर हर्षिता की मां की हत्या का भी आरोप है। उसने लता को भी धमकी दी थी। उधर, पानीपत के डीएसपी देशराज का कहना है कि मामले की जांच के लिए टीम गठित कर दी गई है।

हर्षिता के शव का पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर राजीव मान ने कहा कि उसके शरीर पर 7-8 गोलियों के घाव थे। तीन गोलियां बरामद हुई हैं। इनमें से एक गोली हर्षिता के छाती के नीचे वाले हिस्से व दो पिछले हिस्से से मिली हैं। शेष गोलियां शरीर के पार हो गईं।

गोलियों के अलावा शरीर के किसी हिस्से में चोट का कोई निशान नहीं मिला है। गौरतलब है कि मंगलवार शाम काले रंग की कार में सवार बदमाशों ने हर्षिता को गोलियों से छलनी कर डाला था। हर्षिता कुरुक्षेत्र के सांसद राजकुमार सैनी की प्रस्तावित रैली के विरोध में हुई एक बैठक से लौट रही थी। वह अपनी कार से सोनीपत की तरफ जा रही थी। पानीपत के पास इसराना में एक कार ने उन्हें ओवरटेक किया। बदमाशों ने हर्षिता की कार में सवार तीन अन्य लोगों को नीचे उतारकर उसे गोली मार दी।

प्यार के लिए बिहार से दिल्ली किडनी बेचने आई लड़की

लेडी हार्डिग के एक डाक्टर की मदद से डीसीडब्ल्यू ने बचाया

नई दिल्ली। प्यार में दूसरे की जान लेने की खबरें तो आम है पर प्यार को पाने के लिए कोई अपनी किडनी बेचने को तैयार हो जाए ऐसी खबरें कम ही आती हैं। कम उम्र में शादी और फिर तलाक के बाद फिर से किसी अन्य लड़के से दोस्ती और दोस्ती को शादी में बदलने के लिए किडनी बेचने के लिए बिहार के लक्खीसराय जिले से दिल्ली आयी पुष्पा (बदला हुआ नाम/21 वर्षीय) नामक लड़की को दिल्ली महिला आयोग ने किडनी बेचने से बचाया है। आयोग के अनुसार पुष्पा की कम उम्र में शादी हुई थी और उसके बाद किन्ही वजहों से उसका तलाक हो गया। तलाक के बाद पुष्पा अपने मां-बाप के घर पर ही रहने लगी। इसी दौरान पड़ोसी एक लड़के से उसकी दोस्ती हो गई और दोनों ने शादी करने का निर्णय लिया। लड़का मुरादाबाद में काम करता था।

बॉयफ्रेंड ने लड़की से शादी करने के लिए 1.80 हजार रु पए की मांग की थीलड़की पैसों का इंतजाम करने के लिए अपनी किडनी बेचने दिल्ली आ गईआयोग की टीम ने लड़की की काउंसलिंग की और वापस उसके परिवार से मिलवाया लड़की ने बॉयफ्रेंड के खिलाफ केस करने से कर दिया इनकार

पुष्पा अपने परिवार के साथ झगड़ा करके लड़के से शादी करने मुरादाबाद पहुंच गई। वहां उस लड़के ने शादी के लिए पैसों की शर्त रख दी।

पुष्पा ने बताया कि लड़के ने कहा कि यदि उसे 1 लाख 80 हजार रु पए देगी तो वो उसके साथ शादी कर लेगा। पुष्पा के पास उसे देने के लिए इतने पैसे नहीं थे तो पुष्पा अपनी किडनी बेचकर पैसों का इंतजाम करने के लिए दिल्ली के लेडी हार्डिंग अस्पताल पहुंच गई। अस्पताल में उसने एक डॉक्टर को अपनी एक किडनी बेचने के बारे में बताया। डॉक्टर को लगा की पुष्पा किसी रैकेट के चंगुल में फंस गई है और बिहार से यहां चली आई है, उसने तुरंत मदद के लिए दिल्ली महिला आयोग की महिला हेल्पलाइन 181 पर कॉल करके इसकी सूचना दी। डॉक्टर ने पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी।

आयोग की टीम ने अस्पताल में पहुंचकर पुष्पा से बात की तो पुष्पा ने पूरी कहानी बताई। आयोग की काउंसलर ने पुष्पा की काउंलिंग की। आयोग की टीम ने पुलिस के माध्यम से पुष्पा के माता-पिता से उसके बारे में सूचना दी। दो दिन बाद उसकी मां दिल्ली आ गई। पुष्पा और उसकी मां दोनों ने लड़के के खिलाफ केस करने से मना कर दिया। पुष्पा अपनी मां के साथ वापस अपने घर बिहार चली गई।

बॉटेनिकल गार्डन से कालकाजी की दूरी 42 मिनट की जगह होगी 19 मिनट में पूरी

जल्द शुरू होगी कालकाजी से बॉटेनिकल गार्डन के बीच मेट्रो

नई दिल्ली। किराया बढ़ोतरी को लेकर विरोध का सामना कर रहा डीएमआरसी जल्द ही कालकाजी से बॉटेनिकल गार्डन के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के समय और पैसे की बचत कराएगा।

इस रूट के शुरू होने के बाद बॉटेनिकल गार्डन से कालका जी यात्रा 42 मिनट की जगह मात्र 19 मिनट में पूरी होगी। इससे यात्रियों के किराये पर खर्च में भी काफी कमी आएगी। उम्मीद जतायी जा रही है कि 12.64 किलोमीटर के रूट पर नवम्बर के आखिर तक मेट्रो दौड़ने लगेगी। कालकाजी से बाटेनिकल गार्डन के बीच 12.64 किलोमीटर के इस रूट पर नौ स्टेशन पड़ेंगे, जिनमें कालकाजी जमीन के नीचे होगा जबकि शेष आठ स्टेशन एलिवेटेड होंगे। इस रूट पर चलने वाली ट्रेनें तकनीक रूप से अब तक चल रही ट्रेनों से उन्नत होगी। स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा के मद्दे नजर प्लेटफार्म स्क्रीन डोर लगाया गया है जो मेट्रो के गेट के खुलने के साथ खुलेगा और उसी के साथ बंद होगा। इसके अलावा इस रूट पर दौड़ने वाली ट्रेन सीबीटीसी तकनीक से लैस है। इस तकनीक में ड्राइवर की जरूरत नहीं होती, लेकिन अभी इस रूट पर चलने वाली ट्रेनों में ड्राइवर होंगे। इसके अलावा इस रूट पर चलने वाली ट्रेनों के कोच की सीटे रंग बिरंगी है। अलग-अगल कोच में अलग-अगल रंग की सीटें होगी। इसी तरह कोच में एलसीडी लगाया गया है। जिसपर स्टेशनों के आने की जानकारी डिस्पले होगी।

जसोला विहार शाहीन बाग स्टेशन होगा पहला एलिवेटेड स्टेबलिंग यार्ड : दिल्ली मेट्रो का एलिवेटेड डिपो बनकर तैयार हो चुका है। यह डिपो जनकपुरी-बॉटेनिकल गार्डन मेट्रो लाइन के जसोला विहार शाहीन बाग में बनाया गया है। मेट्रो का यह पहला एलिवेटेड स्टेबलिंग यार्ड है। यहां पर एक साथ 21 ट्रेनें खड़ी होगी, जबकि कलिंदीकुंज में 12 मेट्रो ट्रेनें खड़ी की जाएंगी।

सौर ऊर्जा से होगी बिजली आपूत्तरः

जसोला बिहार शाहीन बाग स्टेशन और डिपो सौर ऊर्जा से जगमगाएंगे। यहां पर बने एलिवेटेड स्टेबलिंग यार्ड पूरी तरह से सौर पैनल से ढंके होंगे। इस स्टेशन पर करीब 150 केवीए बिजली का उत्पादन होगा, जिसका इस्तेमाल स्टेशन परिसर की जरूरतों को पूरा करने में होगा।

बोटेनिकल गार्डन बनेगा एनसीआर का पहला इंटरचेंज स्टेशन :

इस लाइन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि बॉटेनिकल गार्डन दिल्ली-एनसीआर इलाके का पहला इंटरचेंज स्टेशन होगा। इससे यात्रियों को काफी आसानी होगी। अभी तक दिल्ली से बाहर कोई इंटरचेंज स्टेशन नहीं है। यहां से लाइन-3 (नोएडा-द्वारका सेक्टर-21) के लिए मेट्रो बदल सकते हैं। मेट्रो का दावा है कि इस लाइन पर मेट्रो शुरू होने के बाद नोएडा के बोटेनिकल गार्डन से गुरुग्राम की दूरी 30 मिनट कम हो जाएगी। इस समय नोएडा से गुरुग्राम (बाटेनिकल गार्डन से हुडा सिटी सेंटर) तक का सफर डेढ घंटे में पूरा होता है। नोएडा सीधे जुड़ जाएगा

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से :

इस रूट के शुरू होने के साथ ही नोएडा से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा जाने वाले लोगों को राहत मिल जाएगी। बॉटेनिकल गार्डन से नोएडा वासी सीधे हवाई अड्डा (घरेलू टर्मिनल) पहुंच जाएगा। इस सफर में उन्हें मात्र 40 मिनट का समय लगेगा।

इस रूट पर होंगे यह स्टेशन :

कालकाजी मंदिर, ओखला एनएसआईसी, सुखदेव विहार, जामिया मिलिया इस्लामिया, जसोला बिहार शाहीन बाग, कालिंदी कुंज, ओखला बर्ड सेंचुरी और बॉटेनिकल गार्डन स्टेशन शामिल हैं।

समय की बचत होगी :

बोटेनिकल गार्डन से कालकाजी मंदिर जाने के लिए अभी मंडी हाउस इंटरचेंज करने के बाद 42 मिनट का समय लगता है। नए सेक्शन के खुलने के बाद इन दोनों स्टेशनों के बीच लगने वाला समय घटकर 16 मिनट रह जाएगा। इसी तरह नोएडा सेक्टर-18 से एनएचपीसी चौक, फरीदाबाद जाने के लिए मंडी हाउस इंटरचेंज करने के बाद जाने में 58 मिनट लगता है जो अब घटकर 36 मिनट रह जाएगा। नोएडा सिटी सेंटर से जसोला अपोलो के बीच मंडी हाउस इंटरचेंज के बाद अभी 50 मिनट का समय लगता है, जो इस नए सेक्शन के खुलने के बाद केवल 26 मिनट में यह दूरी पूरी की जा सकेगी।

प्रार्थी व्यक्ति को लक्ष्मी मिले या न मिले, किन्तु लक्ष्मी जिसे चाहे वह लक्ष्मी के लिए कैसे दुर्लभ हो सकता है -कालिदास

भ्रष्टाचार एवं दलित विरोधी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के गांधीनगर में आयोजित कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में कांग्रेस पर तीखा वार करके न केवल चुनाव के भावी परिदृश्य का संकेत दिया है, बल्कि एक साथ पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को भ्रमित होने से बनाए रखने की रणनीति अपनाई है। वास्तव में इसमें मोदी ने अब तक उनकी, सरकार की और भाजपा की होने वाली आलोचनाओं का प्रत्यालोचना से तो जवाब दिया ही, गुजराती अस्मिता से लेकर, भावनात्मक चासनी भी दी। कांग्रेस ने पिछले कुछ समय से यह माहौल बनाने की कोशिश की है कि गुजरात में इस बार भाजपा की हालत पतली है और उसे बाजी मिलने वाली है। कांग्रेस एक साथ सरकार पर विकास को पटरी से उतारने से लेकर गलत तरीके से नोटबंदी और जीएसटी लागू करने, भ्रष्टाचार एवं दलित विरोधी होने आदि का आरोप लगा रही है। जब चुनाव की रणभेरी बज चुकी हो तो फिर मोदी को इनकी काट के लिए हर प्रकार के अस्त्र निकालने ही थे। उन्होंने भाजपा एवं कांग्रेस के बीच अंतर को अपने नजरिए से रेखांकित करते हुए कहा कि चुनाव हमारे लिए विकासवाद की जंग है तो उनके लिए वंशवाद की। भाजपा गुजरात में विकास को मुख्य मुद्दा बनाना चाहती है। हालांकि यह जनता पर निर्भर है कि वह उनकी इस बात को मानती है या नहीं। मोदी ने यह कहकर भावनात्मक कार्ड खेलने की भी कोशिश की जब वे मुख्यमंत्री थे कांग्रेस ने उन्हें जेल भेजने के सारे षड्यंत्र किए एवं अमित शाह को जेल भेजा भी। वस्तुत: मोदी स्वयं इस चुनाव में एक मुद्दा है और उन्हें लगता है कि उनके साथ लोग अब भी भावनात्मक रूप से जुड़े हैं। इस बार भी परोक्ष तौर पर यह कहकर कि कांग्रेस गुजरात विरोधी है, उसने सरदार पटेल, उनकी बेटी मणिबेन, मोरारजी देसाई और स्वयं उनके साथ बुरा बर्ताव किया प्रकारांतर से गुजराती अस्मिता को ही उभारा। आखिर कांग्रेस पर इससे बड़ा तोहमत क्या हो सकता है कि चूंकि सरदार सरोवर बांध की योजना सरदार पटेल की थी इसलिए कांग्रेस ने उसे टाल दिया एवं यह काम उन्हें करना पड़ा? हम इसे पटेलों के अंदर भाजपा एवं मोदी के खिलाफनाराजगी पैदा करने का जवाब मान सकते हैं। भ्रष्टाचार का उनका जवाब यह था कि जिस पार्टी के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष यानी दोनों मां-बेटे भ्रष्टाचार के मामले में जमानत पर हों वो उनसे भ्रष्टाचार पर जवाब मांग रहे हैं। मतदाता इन सबको किस तरह लेते हैं यह देखने वाली बात होगी।

''ढाक के तीन पात'

सबसे विश्वसनीय जांच एजेंसी सीबीआई और देश की सबसे तेजतर्रार दिल्ली पुलिस के हाथ जेएनयू छात्र नजीब अहमद के मामले में खाली हैं। नजीब अहमद जेएनयू परिसर स्थित अपने हॉस्टल से 366 दिन पहले रहस्यमय हालात में गायब हो गया। वामपंथी छात्र संगठनों और घरवालों के आंदोलन के दबाव में सरकार ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपी। इस उम्मीद में की नजीब को जांच एजेंसी जरूर ढूंढ़ निकालेगी। लेकिन नतीजा वही ''ढाक के तीन पात'। जब एक साल बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई को उसकी लापरवाही, सतही जांच और उसके टाल-मटोल वाले रवैये पर डांट पिलाई तो यह मानने में तनिक भी शंका नहीं रह गई है कि देश की अव्वल जांच ईकाई निस्तेज होती जा रही है। कुछ दिनों पहले नोएडा के चर्चित आरुषि हत्याकांड में सीबीआई की भूमिका जगजाहिर हो ही चुकी है। साढ़े पांच महीने से नजीब की गुमशुदगी का मामला सीबीआई के पास है, लेकिन उसे खोज पाना तो दूर कायदे से सीबीआई उसका सुराग तक नहीं लगा सकी है। यह हाल तब है जब सीबीआई से पहले नजीब का मामला दिल्ली पुलिस और उसके बाद क्राइम ब्रांच को सौंपा गया। 150 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की टीम भी नजीब का पता नहीं लगा सकी। यहां तक कि सड़कों पर प्रदर्शन के अलावा मामला संसद तक में गूंजा। लेकिन सबसे ज्यादा हैरानी उस एजेंसी को लेकर है, जिसे इस आशा के साथ केस सौंपा जाता है कि वह इसे तार्किक परिणति तक पहुंचाकर रहेगा। हाईकोर्ट की टिप्पणी इस मायने में ज्यादा दुखद है कि उसने सीबीआई जांच को हतोत्साहित करने वाला बताया। इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी द्वारा तफ्तीश करने को भी आड़े हाथ लिया। देखना है हाईकोर्ट की फटकार का सीबीआई की सेहत और आचार-व्यवहार पर क्या असर पड़ता है लेकिन एक बात तो साफ तौर पर उभरकर निकली है कि जांच एजेंसी न तो इस मामले में संजीदा है न संवेदनशील। हां, रही-सही कसर पुलिस ने पूरी कर दी। नजीब की मां के दिल पर क्या गुजरती होगी, यह एक मां ही जान सकती है। निर्मम पुलिस ने उन्हें भी नहीं बख्शा। हाईकोर्ट के बाहर धरना दे रहीं नजीब की मां को जिस तरह से पुलिसवालों ने उठाया, वे भी ब्रिटिश काल की बर्बरता की याद दिला देता है। क्या सिस्टम से नाराज मां पर सख्ती को जायज ठहराया जा सकता है?

सत्संग

प्रकृति

वस्तु लेने या देने के लिए परिजन अक्सर हमें बाएं की जगह दायां हाथ के इस्तेमाल करने के लिए कहते हैं। क्या है इसका विज्ञान? इसका एक कारण है कि शरीर में हृदय बाई तरफ है। मानव पण्राली कुछ इस तरह बनी है कि आपको शरीर के दाहिने भाग के जितना बाएं भाग का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। मगर दाहिने हाथ से ही कुछ लेने या देने का रिवाज क्यों है? दरअसल, बाएं और दाहिने की गुणवत्ता बहुत भिन्न होती है। दाहिने हाथ या पैर को बाएं के ऊपर रखें या बाएं को दाहिने के ऊपर, इससे बहुत अंतर पड़ता है। बायां भाग स्त्रैण होता है, उसे सुरक्षा और पोषण की जरूरत होती है। आपका दाहिना भाग पुरुष प्रकृति को दर्शाता है। बायां अधिक संवेदनशील होता है। बाएं हाथ को सिर्फ तभी इस्तेमाल करें जब किसी चीज को बहुत हल्के से छूने की जरूरत हो। जैसे गोल्फ खेलने के लिए आपको अपने दिमाग से पुरु ष प्रकृति को काफी हद तक निकालना पड़ता है। जीवन यापन की सभी प्रक्रियाओं के लिए हम दाहिने हाथ का इस्तेमाल करते हैं। आप कोई बहुत सूक्ष्म या गूढ़ चीज करते हैं, तो बाएं हाथ का इस्तेमाल करना चाहिए। स्त्रैण की यही प्रकृति है, और बायां भाग स्त्री प्रकृति से जुड़ा है। हम धरती पर जीवन-यापन की प्रक्रिया को सबसे अधिक महत्वपूर्ण बना रहे हैं, जो जीने का एक मूर्खतापूर्ण तरीका है। ऐसा करने पर स्त्री प्रकृति के लिए बहुत गुंजाइश नहीं रह जाती क्योंकि अपने और आसपास के लोगों की जरूरतों को पूरा करना मुख्य रूप से एक पुरुष प्रकृति से जुड़ी प्रक्रिया है। स्त्री प्रकृति के काम करने के लिए बाएं हिस्से को कोमल और सजग रखना होगा। दाहिना हाथ दुनिया के काम करने के लिए है। कुछ लोगों का दिल जन्म से ही दाहिनी ओर होता है। उसी तरह, कुछ लोग जन्म से ही ''लेफ्ट हैंडेड' होते हैं। उनकी ऊर्जा इस तरह व्यवस्थित होती है कि स्वाभाविक रूप से बाएं हाथ का ही इस्तेमाल करते हैं। मगर कुदरती तौर पर आप बाएं के मुकाबले दाहिने हाथ से अधिक काम कर सकते हैं। बाएं भाग को अलग तरह से रखा जाना चाहिए क्योंकि उसे अलग मकसद से बनाया गया है। आपको अपने बाएं भाग को उतने आक्रामक तरीके से इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, जैसे आप दाहिने भाग को करते हैं। उसे ग्रहणशीलता के लिए सुरक्षित रखा जाना चाहिए वरना आपके अंदर ग्रहणशीलता नहीं बचेगी।

महागंठबंधन की तिलांजलि

प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तभी कर दिया था, जब पिछली जुलाई में उन्होंने महागंठबंधन की तिलांजलि देकर दोबारा भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा था। यही कारण है कि नीतीश सरकार ने मोदी के स्वागत के लिए जबर्दस्त तैयारी की थी। लेकिन लगता है कि स्वागत का पूरा तामझाम भी मोदी को रिझा नहीं सका।समारोह के दौरान नीतीश ने मंच पर अपने हाथ जोड़कर मोदी से पटना विविद्यालय को केंद्रीय विविद्यालय का दर्जा दिए जाने की गुजारिश की लेकिन उनकी भावनात्मक अपील का भी प्रधानमंत्री पर कोई असर नहीं हुआ।

सतीश पेडणोकर

नीतीश सरकार ने बड़ी आशा से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया था। उन्हें उम्मीद थी कि मोदी उनकी और बिहार की चिर प्रतीक्षित आशा जरूर पूरी करेंगे। सच तो यह है पटना विविद्यालय के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री को आमंत्रित करने के पीछे सरकार की यही आकांक्षा मुख्य कारण थी। इस आशय का इजहार प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तभी कर दिया था, जब पिछली जुलाई में उन्होंने महागंठबंधन की तिलांजलि देकर दोबारा भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा था। यही कारण है कि नीतीश सरकार ने मोदी के स्वागत के लिए जबर्दस्त तैयारी की थी। लेकिन लगता है कि स्वागत का पूरा तामझाम भी मोदी को रिझा नहीं सका।समारोह के दौरान नीतीश ने मंच पर अपने हाथ जोड़कर मोदी से पटना विविद्यालय को केंद्रीय विविद्यालय का दर्जा दिए जाने की गुजारिश की लेकिन उनकी भावनात्मक अपील का भी प्रधानमंत्री पर कोई असर नहीं हुआ। उन्होंने अपील अनसुनी करते हुए साफ कह दिया कि ऐसा करना गुजरे जमाने की बात है। इतना ही नहीं, मोदी ने पटना विविद्यालय को केंद्रीय विविद्यालय का दर्जा देने के बदले उसे दस टॉप विविद्यालय में स्थान बनाने की चुनौती दे डाली। मोदी का बयान नीतीश सरकार के साथ-साथ बिहारवासियों के लिए भी घाव पर नमक छिड़कने जैसा था।

इसमें कोई शक नहीं कि प्रत्यक्ष रूप से प्रधानमंत्री के ऐसा कहने का कारण 2015 में मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा लिया गया एक नीतिगत निर्णय है, जिसके अनुसार विरासत के मुद्दे के साथ-साथ कर्मचारियों तथा विविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों की असंतुष्टि के चलते किसी भी राज्य विविद्यालय को केंद्रीय विविद्यालय में परिवर्तित नहीं किया जा सकता। लेकिन सचाई यही है कि मोदी ने राजनीतिक कारणों से नीतीश कुमार की गुजारिश अनसुनी की। इस बात से शायद ही किसी को इनकार हो कि मोदी ने पटना विविद्यालय को केंद्रीय विविद्यालय का दर्जा न देकर वास्तव में नीतीश को उनकी औकात बताई है। वैसे यह कोई पहला नौका नहीं है, जब मोदी ने नीतीश को उनकी औकात बताई है। पिछले मंत्रिमंडल के विस्तार के दौरान भी नीतीश की अवहेलना की थी, जब जनता दल यूनाइटेड (जदयू) से किसी को भी मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया। तयों पर नजर डालें तो प्रतीत होता है, जैसे यह पटना विविद्यालय का शताब्दी समारोह नहीं, बल्कि मोदी का स्वागत समारोह था। इस दौरान पूरा पटना मोदी के कटआउट्स और होर्डिंग्स से अटा पड़ा था। शहर मोदी के साथ-साथ अन्य भाजपा नेताओं के पोस्टर्स से पट गया था। कहने की जरूरत नहीं कि ऐसा सोची-समझी रणनीति के तहत ही किया गया। मोदी व भाजपा नेताओं के पोस्टर्स और कटआउट्स इतने बड़े पैमाने पर इसलिए लगाए गए थे कि नीतीश को संदेश दिया जा सके कि महागंठबंधन से निकलने के बाद अब उनकी स्थिति दोयम दर्जे की हो चुकी है, और उन्हें जदयू-भाजपा गठबंधन में प्रमुख नहीं, बल्कि सहयोगी की भूमिका में रहना होगा। कहे बिना भी स्पष्ट है कि नीतीश और उनकी पार्टी को यह भूमिका रास नहीं आने वाली। वैसे इसके लिए नीतीश स्वयं जिम्मेदार नजर आते हैं। जिस तरह उन्होंने मोदी के स्वागत में पूरे प्रशासन को झोंक दिया और मंच से कसीदे काढ़े, उससे मोदी और भाजपा के लिए समझना मुश्किल नहीं रह गया था कि अब वह मोदी की गोदी में गिर पड़े हैं। मालूम हो कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में तैनात जवानों ने नीतीश की गाड़ी को हवाईअड्डे तक आगवानी के लिए जाने से रोक दिया था। काफी हिल-हुज्जत के बाद उन्हें वहां तक जाने की इजाजत मिली। हालांकि नीतीश ने मोदी के स्वागत में कोई कोर-कसर नहीं रख छोड़ी थी। इसके लिए मर्यादाओं को भी ताक पर रख दिया। अपने आका मोदी को खुश करने के लिए शत्रुघ्न सिन्हा, यशवंत सिन्हा और लालू प्रसाद यादव जैसी हस्तियों को भी निमंतण्र भेजने से इनकार कर दिया क्योंकि ये लोग मोदी की मुखालफत करते हैं। इस मुद्दे पर बवाल मचा तो पटना विविद्यालय के वाइस चांसलर रासविहारी सिंह ने बयान दिया कि इन लोगों को ईमेल से निमंतण्रभेजा गया है परंतु तब तक काफी देर हो चुकी थी और उक्त तीनों व्यक्तियों ने शताब्दी समारोह में हिस्सा लेने से मना कर दिया। कौन नहीं जानता कि निमंतण्रभेजने में विलंब प्रायोजित था। तीनों कोई गुमनाम व्यक्ति तो नहीं थे कि उन्हें ढूंढ़ने में विविद्यालय प्रशासन को मशक्कत करने की जरूरत पड़ती। अवसर था पटना विविद्यालय के शताब्दी समारोह का लेकिन समारोह से पटना विविद्यालय ही गायब था। इसके विपरीत मोदी केवल मुख्य अतिथि थे, लेकिन

समारोह के केंद्र में वही थे। कहा जाए तो मोदी ने इस अवसर को अपनी पब्लिसिटी के लिए लूट लिया। हां, इस लूट में नीतीश और उनकी सरकार भी शामिल थी। ऐसे में मोदी ने वही किया जो एक महत्वाकांक्षी राजनेता करता है यानि इस अवसर का इस्तेमाल अपनी छवि में सुधार के लिए किया। कहने की आवश्यकता नहीं कि हाल के दिनों में मोदी की लोकप्रियता में गिरावट आई है। मोदी जैसे आत्ममुग्ध व्यक्ति के लिए इससे सुनहरा अवसर क्या हो सकता था। जब मोदी के समर्थक मोदी-मोदी का जयकारा लगा रहे थे, तो वह मुग्धभाव से सुनते रहे थे। मुदित होते रहे। कहने की आवश्यकता नहीं कि मोदी को प्रशंसा सुनना खूब भाता है। अन्यथा नहीं कि जिन कुछ विद्यार्थियों ने मोदी का विरोध किया, उन्हें पटना पुलिस खोजने में जुटी हुई है। विद्यार्थियों ने इतना ही तो कहा था कि आपसे नहीं होगा, मोदी जी। इतनी-सी बात भी जिसे गंवारा नहीं है, वह जब देश को साथ लेकर चलने की बात करता है, तो पूरी तरह हास्यास्पद लगता है। बहरहाल, समारोह का जो होना था, वह तो हो ही गया लेकिन अब जदयू-भाजपा गठबंधन में दरार पैदा होने के आसार नजर आने लगे हैं। जद यू ने लोक सभा की सभी 40 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। जद यू के इस निर्णय को भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के उस बयान के जवाब के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं को सभी 40 सीटों पर काम करने के लिए कहा था। कहा जा सकता है कि हनीमून पूरा होने के पहले ही तलाक की आशंका उठ चली है।

चलते चलते

''भोर-तरंग'

कथा-फिल्मों के प्रसिद्ध लेखक-निर्देशक लेख टंडन तीन दिन पहले चले गए। वे अद्भुत थे। उनके साथ काम करने का अधिक नहीं, फिर भी पर्याप्त अवसर मिला। उनकी फिल्म ''लड़ाई' के मैंने गीत लिखे। हिन्दी पर जब फिल्म बना रहा था, तो उन्होंने बेइंतहा मदद की। यादगार मुलाकातें निरंतर होती रहीं। भोजन कराए बिना उन्होंने कभी वापस नहीं आने दिया। पिछले वर्ष छोटे भाई अरविंद बब्बल के घर गणोशोत्सव पर भी उनसे भेंट हुई। अट्ठासी की उम्र में भी वे फिल्म बना रहे थे।

दीवाली की तैयारी है गई?-बगीची को मेरी शुभकामनाएं चचा, लेकिन आज छोटी दीवाली के दिन मुझे एक बड़ा उजाला याद आ रहा है। कथा-फिल्मों के प्रसिद्ध लेखक-निर्देशक लेख टंडन तीन दिन पहले चले गए। वे अद्भुत थे। उनके साथ काम करने का अधिक नहीं, फिर भी पर्याप्त अवसर मिला। उनकी फिल्म ''लड़ाई' के मैंने गीत लिखे। हिन्दी पर जब फि ल्म बना रहा था, तो उन्होंने बेइंतहा मदद की। यादगार मुलाकातें निरंतर होती रहीं। भोजन कराए बिना उन्होंने कभी वापस नहीं आने दिया। पिछले वर्ष छोटे भाई अरविंद बब्बल के घर गणोशोत्सव पर भी उनसे भेंट हुई। अट्ठासी की उम्र में भी वे फिल्म बना रहे थे। वे मेरे द्रोणाचार्य जैसे गुरू थे।-सो कैसे लल्ला?-सत्तर-अस्सी के दशक में मैंने अनेक वृत्त चित्र बनाए। अनुज अरविंद बब्बल मेरा सहायक था। रजनीश साहनी नाम के निर्माता के लिए मैंने ''भोर-तरंग' श्रृंखला बनाई, लेकिन चचा, अध्यापकी करते हुए फिल्म-निर्माण की मेरी सघन तमन्नाएं तड़पती रहती थीं। रजनीश ने मेरे अनुरोध पर बब्बल को अपने प्रोडक्शन में सहयोगी के तौर पर स्थान दिया। वहां बब्बल को मिले लेख टंडन। रजनीश के लिए ''दिल-दरिया' बना रहे थे। बब्बल को उन्होंने निर्देशन में सहायक बना लिया। डॉक्यूमैंट्री में आप प्राय: एक ही कोण से सारी चीजें देखते हैं। कथा-फिल्मों में अलग-अलग चरित्रों के अलग-अलग दृष्टिकोण। बब्बल जो उनसे सीखकर आता, मुझे बताता। मुझे कैमरा-लाइन का कॉन्सैप्ट नहीं पता था। लेख जी से सीखकर, पंद्रह साल छोटे भाई बब्बल ने मुझे समझाया, ज्ञान-चक्षु खुल गए चचा।-कैमरा-लाइन का होय?

कैमरे के लिए लक्ष्मण-रेखा समान होती है, उसे पार नहीं कर सकते। जैसे ही यह अदृश्य कैमरा-लाइन नजर आने लगती है, कल्पनाशील व्यक्ति के लिए निर्देशन-कौशल-क्षेत्र में प्रवेश करना सरल हो जाता है। धन्यवाद लेख जी, आप शानदार दरियादिल इंसान थे।

आप जीवन की रेखा पार करके एक काल्पनिक लोक में चले गए हैं, लेकिन आपके द्वारा खींची गई दृश्य-अदृश्य रेखाएं सदा दमकती रहेंगी।

मुद्दा

खतरनाक रसायनों का प्रयोग

प्रकृति इंसान की जरूरत तो पूरी कर सकती है लेकिन लालच नहीं। कुछ यही हाल इस दौर में किसानों का है, जो इस बात से अनभिज्ञ अधिकतम फसल के लालच में अंधाधुंध खाद व कीटनाशकों का प्रयोग करते जा रहे हैं कि इसके चलते मानवता के वजूद पर खतरा मंडराने लगा है। ज्यों-ज्यों खतरनाक रसायनों का प्रयोग बढ़ रहा है, न केवल जमीन की उर्वराशक्ति घट रही है, बल्कि कीट-पतंगों की प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती जा रही है। लेकिन दुनिया को सिर्फ बाजार समझने वाली कंपनियां जहरीले रसायनों की क्षमता भी बढ़ाती जा रही हैं। नतीजतन जरा-सी चूक पर अब किसान खुद मौके पर इसकी चपेट में आने लगे हैं। महाराष्ट्र इसका ताजा सबूत है, जहां 50 से ज्यादा किसानों की मौत हो गई तो सैकड़ों उपचाराधीन हैं। कइयों की आंखों की रोशनी चली गई है। फिलहाल यह तो चेतावनी भर है, जबकि हालात इतने गंभीर हैं कि समूची खाद्य श्रृंखला ही इससे प्रभावित हो गई है। किसान टमाटर, बैगन, भिंडी, आलू, सेब, संतरे, चीकू, गेहूं, धान और अंगूर जैसी उपज पर रसायनों का छिड़काव करता है, तो इनके घातक तत्व फ ल-सब्जियों और उनके बीजों में प्रवेश कर जाते हैं। फिर इन रसायनों की यात्रा भूमि की मिट्टी, नदी के पानी और वातावरण की हवा में भी जारी रहती है। इस प्रक्रिया में हम जो कुछ भी खाते-पीते हैं, उसके माध्यम से खतरनाक जहर सीधा हमारे शरीर में जा रहा है, जो मल-मूत्र और पसीने के माध्यम से भी बाहर नहीं निकलता, बल्कि शरीर की कोशिकाओं में फैल कर लाइलाज बीमारियों और भांति-भांति के कैंसर को जन्म देता है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार कोई व्यक्ति लगातार 5 साल तक अपने खाने में भिंडी या बैगन का इस्तेमाल करता है, तो निश्चित रूप से दमा का लाइलाज मरीज बन जाएगा और उसकी वास नलिका भी अवरुद्ध हो जाएगी। यही नहीं कीटनाशकों के चलते अन्य सब्जियों का सेवन भी जीवन के लिए घातक साबित हो रहा है। बावजूद इसके भारत में किसान बिना किसी रोक-टोक सहर्ष ऐसे रसायनों का प्रयोग कर रहे हैं जो दुनिया के कई अन्य देशों में प्रतिबंधित हैं। मसलन, डीडीटी, बीएचसी, एल्ड्रॉन, क्लोसडेन, एड्रीन, मिथाइल पैराथियान, टोक्साफेन, हेप्टाक्लोर सहित सैकड़ों दवाइयां हैं। कीटनाशक प्रबंधन विधेयक, 2008 से ही संसद में विचाराधीन है। हालांकि हाल में सरकार ने पहल करते हुए इस प्रकार की 18 दवाइयों के विक्रय पर रोक लगा दी है। लेकिन यह अपर्याप्त है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के फार्माकोलॉजी विभाग के एक अध्ययन से पता चलता है कि मच्छर, काकरोच आदि को मारने वाली दवाइयों का सर्वाधिक दुष्प्रभाव सबसे ज्यादा 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर पड़ता है, तो ग्रीनपीस इंडिया की एक रिपोर्ट बताती है कि कीटनाशक बच्चों के दिमाग को घुन की तरह खोखला कर रहा है। कीटनाशकों के चलते जैव विविधता को होने वाले नुकसान की भरपाई तो किसी भी तरह संभव नहीं है। बता दें कि तमाम कीट-पतंगे पर्यावरण मित्र भी होते हैं, उनकी प्रजातियां इन खतरनाक रसायनों के चलते लुप्त होती जा रही हैं। जीवों एवं वनस्पतियों पर आधारित उत्पाद के कारण जैविक कीटनाशक माह भर में ही भूमि में अपघटित हो जाते हैं, और इनका कोई अंश अवशेष नहीं रहता। यहीं कारण है कि इन्हें पारिस्थितिकीय मित्र के रूप में जाना जाता है। जैविक कीटनाशक केवल विषाक्त कीटों और बीमारियों को मारते हैं, जबकि कीटनाशक से हर तरह के कीट नष्ट हो जाते हैं। जैविक कीटनाशक विषहीन एवं हानिरहित होते हैं। पर्यावरण के साथ ही मनुष्य एवं पशुओं के लिए समान रूप से सुरक्षित हैं। इनके प्रयोग से जैविक खेती को बढ़ावा मिलता है, जो पर्यावरण व पारिस्थितिकीय संतुलन बनाने में सहायक है। यही नहीं हानिरहित तथा पारिस्थितिकीय मित्र होने के चलते पूरी दुनिया में इनके प्रयोग से उत्पादित चाय, कपास, फल, सब्जी, तंबाकू, खाद्यान्न, दलहन, तिलहन आदि की मांग एवं मूल्य में भी वृद्धि हो रही है। परिणामस्वरूप किसानों के उत्पादन की लागत भी बढ़ रही है।

दर्द के दायरे से आखिर कब बाहर निकलेंगी महिलाएं?

आभा स्वामी

यह कहानी समझ और संघर्ष के समन्वय से सींची सफलता की याद दिलाती है! रूपा जब 8 साल की थी और तीसरी कक्षा में पढ़ रही थी, तभी 7वीं के शंकर के साथ ब्याह दी गई थी। आज रूपा 21 बरस की है और बीकानेर (राजस्थान) मेडिकल कॉलेज में फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रही है! बाल विवाह के करीब 13 वर्ष बाद की रूपा जब पीछे पलटकर अपनी कहानी कहती है तो गजब की स्थापना गढ़ती है। 'तीसरी कक्षा से लेकर मेडिकल कॉलेज तक पहुंचने के दौरान अनेक ऐसे अवसर आए, जब लगा शायद अब आगे पढ़ाई नहीं कर पाऊंगी! एक यही डर था जिसकी वजह से अच्छे नंबर लाने के लिए संघर्ष करती गई, पढ़ती गई! 10वीं में जब 84 फीसदी अंक मिले तो पहली बार घर और ससुराल वालों को लगा कि मैं भी कुछ कर सकती हूं! पति के साथ कोटा गई, कोचिंग में पढ़ाई शुरू की। घर का काम भी करती, इसलिए ज्यादातर पढ़ाई स्कूल में ही करती। कई बार डर लगता, असफल हो गई तो पढ़ाई छूट जाएगी। मेडिकल कॉलेज पहुंचना मेरा सपना था, पूरा हो गया। हां, बालिका वधुओं की मदद के लिए भी जी-जान लगाना चाहती हूं, कुछ ऐसा करना चाहती हूं कि वे बेबस-बेजानबेसहारा न हों! कितना कर पाऊंगी, पता नहीं, लेकिन पांच-सात गांवों में तो बाल विवाह रुकवा ही दूंगी! अब दूसरा पहलू, 'यदि विवाह के एक साल के दौरान नाबालिग पत्नी दुष्कर्म के बारे में शिकायत करती है तो पुलिस को उसका संज्ञान लेना ही होगा! यह निर्णय देकर सुप्रीम कोर्ट ने पारिवारिक-सामाजिक व्यवस्था में वैधानिक अनुशासन का नया अध्याय जोड़ा है। यह उस पुरातन प्रश्न पर भी प्रखर प्रहार है, जो परंपरा के नाम पर पीढ़ियों से पूछा जा रहा है! क्या दोयम दर्जे का पर्याय महिलाओं का दर्द ही है? क्या शोषण से संबद्ध सवालों का सरोकार पुरुषों से ही है? जागरूकता के लिए जो जतन किए जाते हैं, रूढ़िवादिता से जुड़ी वजह उन्हें जमीनी सचाई का सामना ही नहीं करने देती, नहीं तो क्या कारण है कि आज भी बाल -विवाह और महिला-अपराध में मध्यप्रदेश की स्थिति हमें शर्मिंदा कर देती है! वर्ष 2015 के आंकड़े एनसीआरबी ने 2016 में जारी किए। उनके अनुसार मध्य प्रदेश में महिलाओं के साथ दुष्कर्म के मामले पूरे देश में सबसे ज्यादा 4391 रहे। प्रदेश के चारों बड़े शहरों में भोपाल में सबसे ज्यादा 133 मामले, ग्वालियर में 115, जबलपुर में 83 और इंदौर में 76 मामले दर्ज किए गए। इसी दौरान महिला अपहरण के 4,547 मामले भी सामने आए। महिलाओं के शीलभंग की हरकत में मप्र 8,049 मामलों के साथ महाराष्ट्र के बाद देश में दूसरे क्रम पर रहा। इसी दौरान प्रदेश में 18 से 30 वर्ष की महिलाओं के साथ दुष्कर्म के 1951 मामले रहे और 16 से 18 वर्ष की उम्र की बालिकाओं के साथ 844 मामले। वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों को देखें तो इंदौर जिले में 37,700 बच्चों का विवाह तय आयु से पहले ही हो जाता है। इंदौर में यह दर राज्य में सबसे ज्यादा है। इन्हीं आंकड़ों से यह बात भी खुलकर सामने आती है कि मध्यप्रदेश में करीब 8.91 लाख बच्चे ऐसे हैं जिनका विवाह तय उम्र से पहले हो गया। इंदौर के बाद उज्जैन, धार, शाजापुर और राजगढ़ जिले शामिल हैं, जहां बच्चों की शादी कम उम्र में ही कर दी जाती है। कम उम्र की बच्चियों का ब्याह हो जाने पर उन्हें गर्भवती होने और प्रसव के समय अत्यधिक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। निश्चित रूप से नहीं! क्योंकि, यहां जो दिखाई दे रहा है, वह है दर्ज किया जा रहा अधराध! लोक-लाज का भय कानून से जो दूरी बनवा देता है, उस फासले को कम करने का फैसला लेना कई पीड़ितों के लिए आज भी सपना ही है!

मुलायम का परिवार सैफई में मनाएगा दिवाली, अखिलेश पहुंचे

सपा अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव परिवार के साथ दिवाली अपने पैतृक घर सैफई में ही मनाएंगे। इसके लिए वह मंगलवार शाम 7:30 बजे सैफई पहुंच गए। सपा के महासचिव प्रो. रामगोपाल व परिवार के अन्य लोग पहले ही सैफई पहुंच चुके हैं। दिवाली पर मुलायम सिंह यादव भी सैफई पहुंचेंगे। शिवपाल सिंह के भी आने की उम्मीद है।

सैफई में इस साल दिवाली की खुशियां दोगुनी होती दिखाई दे रही हैं। राजनीतिक व्यस्तता के बाद भी मुलायम परिवार दिवाली पर साथ-साथ होगा और एक साथ त्योहार मनाएगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सैफई पहुंच चुके हैं। उनके साथ पत्नी डिंपल यादव व बच्चे भी हैं। सैफई में सपा के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव दोपहर बाद ही सैफई पहुंच चुके थे। अखिलेश के आने के पहले ही भतीजे मैनपुरी के सांसद तेज प्रताप यादव, चचेरे भाई बदायूं सांसद धर्मेंद्र यादव, चचेरे भाई जिला पंचायत अध्यक्ष अभिषेक यादव अंशुल शाम को पहुंच गए। पूर्व सीएम अखिलेश यादव एक्सप्रेस वे के रास्ते लखनऊ से आकर सीधे अपने आवास गए। आवास में परिवार के सदस्यों के हालचाल लिए। बुधवार सुबह प्रो. रामगोपाल यादव से मिलने उनके सैफई स्थित आवास पर जाएंगे।

सैफई में इस साल दिवाली की खुशियां दोगुनी होती दिखाई दे रही हैं। एक साथ त्योहार मनाएगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सैफई पहुंच चुके हैं। उनके साथ पत्नी डिंपल यादव व बच्चे भी हैं। सैफई में सपा के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव दोपहर बाद ही सैफई पहुंच चुके थे। सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव बुधवार शाम तक सैफई पहुंचेंगे। उधर जसवंतनगर विधायक शिवपाल सिंह यादव के भी बुधवार सुबह ही सैफई पहुंचने की उम्मीद है।

बेचने के लिए घर में रखी थी आतिशबाजी, 3 महीने का मासूम की जलकर मौत

झांसी. यहां के मऊरानीपुर में मंगलवार को घर में रखी आतिशबाजी में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आने से 3 महीने की मासूम की जलकर मौत हो गई। वहीं आग से घर में रखा पूरा सामान जलकर खाक हो गया। घटना में 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मौके पर पहुंची दमकल कर्मियों ने 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।घटना मऊरानीपुर इलाके के सर्राफा बाजार की है। यहां रहने वाले कृष्ण गोपाल पिछले कई साल से आतिशबाजी बेचने का काम करते आ रहे थे। इस बार भी उन्होंने आतिशबाजी बेचने के लिए खरीदी हुई थी। बताते हैं कि, आतिशबाजी की दुकान के लिए उन्हें परमीशन भी मिल गई लेकिन उन्होंने मंगलवार को दुकान नहीं लगाई और आतिशबाजी घर के एक कमरे में रख दी थी।

इटावा रेलवे स्टेशन पर देर रात बम की सूचना से हड़कंप, अधूरा बम बरामद

इटावा। इटावा रेलवे स्टेशन में मंगलवार देर रात एक बजे बम की सूचना से हड़कंप मच गया। प्लेटफॉर्म पर पड़े एक बैग में बम होने की सूचना पर पुलिस और प्रशासन का पूरा अमला जुट गया। स्टेशन में हर किसी के प्रवेश पर रोक लगा दी गई। पुलिस, जीआरपी, आरपीएफ के अफसरों ने बैग को घेरे में लेकर आसपास का इलाका खाली करा लिया। कानपुर से बम निरोधक दस्ता बुलाया गया है। धनतेरस पर जिला पुलिस को किसी यात्री ने सूचना दी कि प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर बम रखा है। इस पर आनन-फानन में एसएसपी वैभव कृष्ण टीम के साथ पहुंचे और छानबीन की। वहीं जीआरपी इंस्पेक्टर विजय सिंह ने बताया कि जवान गश्त पर थे, तभी संदिग्ध बॉलीथिन बैग दिखा। इसके बाद वह टीम के साथ छानबीन में जुट गए। एसएसपी ने बताया कि बम की सूचना मिली थी। छानबीन में एक छोटा पॉलीथिन बैग मिला। इसमें तार और बैटरीनुमा सामान मिलने से संदेह हो रहा है। कानपुर से बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया है। धनतेरस पर जिला पुलिस को किसी यात्री ने सूचना दी कि प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर बम रखा है। इस पर आनन-फानन में एसएसपी वैभव कृष्ण टीम के साथ पहुंचे और छानबीन की। वहीं जीआरपी इंस्पेक्टर विजय सिंह ने बताया कि जवान गश्त पर थे, तभी संदिग्ध बॉलीथिन बैग दिखा।जांच के बाद सही जानकारी मिलेगी। एहतियात के तौर पर प्लेटफार्म नंबर 5 से निकलने वाली ट्रेनों को दूसरे प्लेफार्मों पर डायवर्ट कर दिया गया है और यात्रियों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

पॉलिथीन की बरामदगी के बाद ये साफ हुआ कि स्टेशन पर मिला संदिग्ध पॉलीथीन बैग में निकला सामान अधूरा बम था। हालांकि उसमें विस्फोटक नही था लेकिन बैग में बम के ही अंश मिले। कानपुर की बम निरोधक टीम ने आकर 4 बजे जांच के बाद बैग में मिला सामान टीम की सुपुर्दगी में है।

दिवाली नहीं मनाएंगे शिक्षामित्र, उग्र प्रदर्शन की दी चेतावनी

प्रमुख संवाददाता, लखनऊ

शिक्षामित्र नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने शिक्षामित्रों के प्रति सकारात्मक रवैया नहीं अपनाया तो वे उग्र विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस बार उन्होंने दिवाली नहीं मनाने का फैसला किया है। आदर्श समायोजित शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र शाही ने कहा कि एसोसिएशन ने निर्णय लिया है कि कोई शिक्षामित्र दिवाली नहीं मनाएगा क्योंकि वे अवसाद में जीने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि 15 अक्तूबर को हुई टीईटी की परीक्षा में सरकार ने अपनी मंशा को साफ जाहिर कर दी। सरकार ने पूरी कोशिश की है कि शिक्षामित्र टीईटी पास न कर सकें।

उन्होंने दावा किया कि उत्तराखंड में शिक्षामित्रों को 12 माह का मानदेय 15000 रुपये प्रतिमाह दिया जाता है।

वहीं दिल्ली में 35000, हरियाणा में 30000, राजस्थान में 32000, महाराष्ट्र में 40000 रुपये और बिहार में शिक्षामित्रों को 12 माह का मानदेय 22000 रुपये दिया जा रहा है।

अयोध्या में लोग कर रहे दीपोत्सव का इंतजार

फैजाबाद। धर्म नगरी अयोध्या में बुधवार शाम को होने वाले दीपोत्सव का सभी को इंतजार है। पलक पांवड़े बिछाए श्रद्धालु, भक्त और स्थानीय लोग देव दीपावली के आयोजन का इंतजार कर रहे हैं। हर तरफ मंदिरों में भगवान राम के भजन से अयोध्या गुंजायमान हो उठी है तो तैयारियों की अद्भुत छटा देखते ही बन रही है। यहां बड़ा ही सुंदर और अलौकिक नजारा है। हर तरफ दीप कतार बध्य लगाए जा चुके हैं। प्रकाश और साउंड के साथ सुरक्षा के इंतजाम देखने को मिल रहे हैं।

कानपुर में कोल्ड स्टोरेज की छत ढही

कानपुर। वरिष्ठ संवाददाता, कानपुर कानपुर के सरसौल कस्बे में बुधवार सुबह कोल्ड स्टोरेज की छत ढहने से अमोनिया गैस की पाइप लाइन फट गई। अमोनिया के रिसाव से एक किमी तक के दायरे में कोहरे जैसे गैस के बादल छा गए। कोल्ड स्टोरेज से सटे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गैस भर जाने से यहां नवजात शिशुओं के साथ भर्ती महिलाओं को बाउंड्री तोड़कर निकाला गया। अस्पताल की दो महिला कर्मचारी भी बेहोश हो गईं। कर्मचारियों ने स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल के मरीजों और कर्मचारियों को बाहर निकाला। लगभग पांच घंटे तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। फायर ब्रिगेड की टीम ने दो घंटे की कवायद के बाद अमोनिया के रिसाव पर काबू पाया। डीएम सुरेंद्र सिंह व डीआईजी सोनिया सिंह भी मौके पर पहुंच गईं।

हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ। महाराजपुर क्षेत्र के सरसौल स्थित रमेश रेफ्रीजेरेशन प्राइवेट लिमिटेड का कमजोर जीना अचानक तेज आवाज के साथ ढह जाने से गैस पाइप लाइन के ऊपर से जाने वाली छत ढह गई। छत का मलबा पाइप लाइन पर गिरने से वह क्षतिग्रस्त हो गयी और गैस का तेजी से रिसाव शुरू हो गया। कुछ ही देर में गैस का बादल छा गया। दूर तक कोहरे सी धुंध नजर आने लगी। उस समय कोल्डस्टोरेज में चार कर्मचारी राम बरन, अभिषेक, विजय और एक मजदूर ठेकेदार था। चारों किसी तरह जान बचाकर भागे।

कोल्डस्टोरेज से सटे सामुदायिक केंद्र में गैस भर जाने से यहां नवजात को जन्म देने वाली महिलाओं का दम घुटने लगा। गेट दूर होने से कर्मचारियों की पीछे की दीवार तोड़कर रास्ता बनाया। अस्पताल में भर्ती सात महिलाओं को बाहर निकाला गया। अस्पताल में मौजूद महिला कर्मचारी रचना और तारा बेहोश हो गई तो मदद मे जुटे वार्ड ब्वाय बद्री सिंह ने किसी तरह बाहर निकला। सभी प्रसूता को एंबुलेंस से घर भेजा गया। हादसे की सूचना पाकर महाराजपुर एसओ समर बहादुर सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी पहुंच गई। एसपी ग्रामीण जेपी सिंह, सीओ सदर भी मौके पर पहुंच गए। एक किमी तक अमोनिया के रिसाव की खबर लगने से डीएम सुरेंद्र सिंह और डीआईजी सोनिया सिंह भी तुरंत रवाना हो गई। दोनों अफसरों के पहुंचने तक गैस का असर खत्म नहीं हुआ था। अधिकारी सामुदायिक केंद्र के अंदर जाने लगे तो दम घुटने का अहसास होने से अंदर नहीं गए।

बिहार

शराब धंधेबाजों को ताकतवर लोगों की भी मदद : नीतीश

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में शराब के धंधेबाजों को कुछ ताकतवर लोगों की भी मदद मिल रही है। इसके बारे में ज्यादा नहीं कहेंगे कि ये कौन लोग हैं लेकिन कोई भी अपराध करेगा तो बचेगा नहीं। हमारा संकल्प है कि हम न किसी को फंसाते हैं न किसी को बचाते हैं। मुख्यमंत्री पटना में आयोजित 'बिहार-झारखंड कॉन्क्लेव- द न्यू रोड मैप' कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कानून के कुछ रक्षक भी इस धंधेबाजी में शरीक हो जाते हैं। सभी पर कार्रवाई होती है और जेल जाते हैं। बर्खास्त भी होते हैं। चंद लोग शराबबंदी के खिलाफ हैं तो खिलाफ रहें लेकिन आम लोगों के मन में इससे खुशी है। हमारा संकल्प काम करने का है। कौन क्या बोलता है, इस पर हम ध्यान नहीं देते। वर्षों से बिहार के हित में काम कर रहे हैं, चाहे वह कानून का राज स्थापित करना हो या बुनियादी ढांचे के विकास हो। सड़कें बहुत कम थीं, जो थीं वो भी बहुत खराब स्थिति में। हमलोगों ने सड़कों का निर्माण कराया। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से आगे जाकर कम बसावट वाले टोलों को जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना की शुरुआत की। राज्य की सड़कों को दुरुस्त किया। राष्ट्रीय राजमार्ग की भी स्थिति ठीक नहीं थी। इसमें राज्य की धनराशि लगाकर ठीक कराया गया। चाहे शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली हो या सड़क और पुल-पुलिया हो, हर क्षेत्र में काम हुआ।

केंद्र का सहयोग मांगा

उन्होंने कहा कि बिहार लैंड-लॉक स्टेट है। उद्योग तो ज्यादा समुद्र के किनारे लगता है। इसलिए बिहार में पूंजी निवेश के लिए प्रोत्साहन नीति बनाते हैं। लेकिन, जबतक केंद्र का सहयोग नहीं मिलेगा, इसमें अपेक्षति सफलता नहीं मिलेगी। इसलिए तो हम हमेशा विशेष राज्य के दर्जे की बात करते हैं। ताकि बिहार में कोई निवेश करे तो केंद्रीय करों में राहत मिले। केंद्रीय योजना में राज्य का शेयर घटना चाहिए।

बिहार में बंगला को लेकर शुरु हुआ विवाद, मंत्री ने पूर्व मंत्री को दिया 15 दिनों का समय

पटना. सरकारी बंगले को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। दिपावली तक पूर्व मंत्री को अपना सरकारी आवास खाली करना था, लेकिन उनकी ओर से बंगला खाली नहीं करने पर अब सरकार के साथ इनका टकराव बढ़ने लगा है। भवन निर्माण मंत्री ने दो टूक कहा है कि छठ के बाद ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरु कर दी जायेगी। भवन निर्माण विभाग के मंत्री महेश्वर हजारी ने दो टूक कहा कि जो पूर्व मंत्री बंगला खाली नहीं करेंगे उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

मंत्री ने बुधवार को सख्ती के संकेत देते हुए कहा कि जिन पूर्व मंत्रियों ने बंगला खाली नहीं किया है वो किसी भी कीमत पर 15 दिनों के अंदर उसे खाली कर दें।

अगर ऐसा नहीं होता है तो उनके सरकारी आवास को जबरन खाली कराया जाएगा।

पूर्व मंत्री और लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेज़प्रताप यादव के उस बयान पर की उन्हें ऐसी जगह बंगला दिया गया है जहाँ गाय-भैंसें बांधी जाती हैं मंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा कि वो पहली बार जीत कर आए हैं तो उन्हें ऐसा ही बंगला मिलेगा।

दर्दनाक: पर्चा कटाने में देरी से बच्ची की मौत, चार किमी कंधे पर बेटी का शव घर ले गया पिता

फुलवारीशरीफ पटना। पटना एम्स के ओपीडी काउंटर के बाहर लखीसराय की एक बच्ची ने उस समय दम तोड़ दिया जब उसके पिता पर्चा लेने के लिए नंबर का इंतजार कर रहे थे। बच्ची बुखार और दर्द से कांप रही थी। बच्ची को कंधे पर लेकर उसके पिता रामबालक और मां संजू लोगों से हाथ जोड़ विनती करते रहे थे पर न तो लाइन में लगे लोगों को दया आई और न ही अस्पताल स्टाफ को। बच्ची की मौत के बाद वहां लोग हैरान हो गए पर एक बार फिर मानवीयता तार-तार हो गई। शव ले जाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था तक नहीं हो पाई। अस्पताल प्रशासन भी इससे आंखें मूंदे रहा। हाथ जोड़ विनती करता पिता मजबूरीवश अपने कंधे पर ही बेटी का शव लेकर अस्पताल से बाहर निकला।

छह दिनों से था बुखार:

लखीसराय के कजरा गांव निवासी रामबालक अपनी नौ वर्षीय पुत्री रौशन को लेकर उपचार के लिए पटना एम्स आया था। उसके साथ उसकी पत्नी भी थी। बच्ची को कुछ दिनों से बुखार आ रहा था तथा बार-बार बेहोश हो जा रही थी। सुबह एम्स में दिखाने के लिए लाइन में लगे थे। रजिस्ट्रेशन काउंटर पर काफी भीड़ थी।काउंटर से कर्मचारी ने लौटा दिया: पहले रामबालक ने लाइन तोड़ जल्दी से पर्चा कटाने का प्रयास किया लेकिन काउंटर पर बैठे कर्मचारी और लोगों ने लौटा दिया। तब रामबालक लौट कर लाइन में खड़ा हो गया तथा अपनी बारी आने का इंतजार करने लगा।

चार किमी पैदल चलकर पहुंचा फुलवारी:

जेब में इतने पैसे नहीं थे कि रामबालक ऑटो रिजर्व कर जंक्शन आता। सो बेटी का शव कंधे पर रख एम्स के गेट से 4 किमी पैदल चलकर वह फुलवारी के शहीद चौक पहुंचा।

प्रेमी ने शादी का वादा कर किया था गलत काम, बिन ब्याही युवती बनी मां

पूर्णिया. बिहार के पूर्णिया जिले के धमदाहा थाना क्षेत्र में बिन ब्याही युवती ने सोमवार को बच्चे को जन्म दिया है। एक साल पहले बरदेला का रहने वाला प्रेमी पिंकू कुमार ने युवती को शादी का प्रलोभन देकर पांच महीने तक यौन शोषण किया। इस बीच युवती प्रेग्नेंट हो गई थी। पहले शादी के लिए हुआ तैयार फिर मुकरा...

मामले की जानकारी जब लड़की के परिजनों को मिली तो गांव में पंचायत बिठाई गई।

युवक से कहा गया कि पीड़ित युवती से शादी कर ले तो उसे माफ कर दिया जाएगा।

इस बात पर पहले तो युवक के घरवाले तैयार हो गए, लेकिन बाद में ऐसा करने से इनकार कर दिया।

इसके बाद पीड़ित युवती के परिजनों और ग्रामीणों ने मिलकर धमदाहा थाने में आवेदन देकर युवक पिंकू कुमार उसके परिजनों पर यौन शोषण का मामला दर्ज करवाया।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मामले में छानबीन के बाद पिंकू के पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जबकि मुख्य आरोपी पिंकू अब तक फरार है।

गिरफ्तार होने के एक महीना के बाद ही पिंकू के पिता जमानत पर बाहर चुके हैं, लेकिन आरोपित युवक को अब तक पुलिस पकड़ नहीं सकी है।

इस बीच इंसाफ की आस में बैठी पीड़ित युवती को प्रसव पीड़ा शुरू होने के बाद सोमवार को परिजनों ने धमदाहा अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पीड़ित युवती ने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया।

बच्चे के जन्म के बाद वह सवाल करती है कि कौन मेरे बच्चे को न्याय दिलाएगा।

एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत, गए थे पुराने मूर्ति का विसर्जन करने

जहानाबाद. बिहार के जहानाबाद जिले के काको के रसुलपुर गांव में बुधवार को दीपावली को लेकर भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की पुरानी मूर्ति का विसर्जन करने के लिए तीन बच्चे एक नहर गए थे। इस दौरान डूबने से तीनों की मौत हो गई। सभी मृतक एक ही परिवार के थे। चार बच्चे गए थे साथ में...

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि बुधवार की सुबह एक ही घर के भाई बहन ज्योति कुमारी 12 साल, सूरज 10 साल और ओमकार 8 साल गांव के पास नहर के पास गए थे। साथ में एक और बच्चा भी था। घर के लोगों ने बच्चों से कहा था कि भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की पुरानी मूर्तियों को नहर में विसर्जित कर देना। सभी बच्चे मूर्ति लेकर नहर के पास गए। इस दौरान तीनों मूर्तियों के विसर्जन करने के लिए गहरे पानी में चले गए। इस दौरान डूबने से तीनों की मौत हो गई।

इस दौरान एक बच्चा बाहर ही था। तीनों को डूबते देख शोर किया तो लोग पहुंचे। पानी से बाहर निकाल परिजन हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। डूबने वालों में ज्योति और ओमकार दोनों सगे भाई बहन थे, जबकि सूरज चचेरा भाई था। घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

सिमरिया धाम में तुलार्क महाकुम्भ का नीतीश ने किया ध्वजारोहण, 1400 वर्ष पूर्व हर्षवर्दधन ने की थी शुरुआत

बेगूसराय। मगध, मिथिला व अंग की संगम स्थली सिमरिया धाम में जुटे देशभर के सैकड़ों साधु-संतों की मौजूदगी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को तुलार्क महाकुम्भ का विधिवत ध्वजारोहण किया। इसके बाद धर्म सभा के मंच से तमाम साधु-संतों ने शराबबंदी की मुक्तकंठ से सराहना की। शराबबंदी को भारत को फिर से विश्वगुरु बनाने की पहली कड़ी बताने से आह्लादित नीतीश ने अब नशामुक्ति को अपना लक्ष्य बताया। इसका भी साधु-महात्माओं के साथ ही लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से समर्थन किया। देशभर से आये महात्माओं व कुम्भ सेवा समिति के महासचिव और एमएलसी रजनीश कुमार की तुलार्क महाकुम्भ को सरकारी मान्यता देने की मांग पर मुहर लगाते हुए सीएम ने कहा कि अगर धर्मगुरुओं को यह मंजूर है तो बिहार सरकार इसे बुलंदियों पर पहुंचाएगी। सरकार वह सारी व्यवस्था करेगी, जो यहां आने वालों की जरूरत होगी। मैं तो यह चाहूंगा कि यहां आने वाले लोग बिहार की बदली छवि का बेहतर अनुभव लेकर लौटें। सीएम ने कहा कि लोग प्राचीन काल से ही इस पावन धरती को मुक्ति धाम और स्वर्ग धाम मानते थे। सरकार के साथ मिलकर यहां के लोगों को फिर से ऐसा करना होगा कि इसके गौरव की फिर से स्थापना हो।

पांचवें कुम्भ का देते हैं मान्यता

हरिद्वार से आये स्वामी प्रबोधानंद गिरि जी महाराज ने नीतीश की शासन प्रणाली की सराहना करते हुए उन्हें आन, बान और शान का प्रतीक बताया। कहा कि साधु समाज तुलार्क महाकुम्भ को मान्यता देता है। द्वादश कुम्भ में इसे देश के पांचवें महाकुम्भ का दर्जा होगा।

संदल तथा उर्स के उपलक्ष्य में शहर के कई मार्ग वाहन व्यवहार के लिए रहेंगे प्रतिबंधित: पुलिस आयुक्त

सूरत। शहर के ऐतिहासिक हजरत ख्खवाजा साहेब की दरगाह बडेखा चकला में संदल तथा उर्स का त्रि-दिवसीय आयोजन 23 से 25 अक्टूबर को किया जाएगा। इस अवसर पर मुस्लिम समाज द्वारा संदल तथा उर्स महोत्सव को हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। इस उत्सव के दौरान शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से छोटे-छोटे जुलूस खवाजा दाना साहेब की दरगाह पर पहुंचेगे। जिससे बडेखा चकला में लोगों की भारी भीड़ इक्कट्ठी होगी।

शहर के मुखय मार्ग से जुलूस निकले तथा उसमें मुस्लिम समाज के लोगों की भारी भीड़ के कारण चौक बाजार सागर होटल से खवाजादाना दरगाह तक तथा हिजड़ावाड़न चार रास्ता से गोपीपुरा मेमनावाड़ चार रास्ता तक मुखय मार्ग पर दोनों तरफ लगने वाली केटलरी, पटाखे तथा फूल पत्तियों की दुकानों के चलते यहां पर खरीदारों की काफी भीड़ रहती है। इस क्षेत्र में मुसलिम समाज तथा अन्य समाज के श्रद्धालुओं के इक्कठा होने भारी भीड़ रहेगी। ऐसे में ट्रैफिक जाम की समस्या होना स्वभाविक है। इस सभी परिस्थितियों को ध्यान में रककर कुछ इलाकों में आम वाहन व्यवहार को प्रतिबंधित किया गया है। शहर पुलिस आयुक्त सतीष शर्मा ने विज्ञप्ति जारी कर इस क्षेत्र में आम वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस दौरान चौक बाजार सागर होटल से खवाजादाना दरगाह तक, हिजड़ावाड़ चार रास्ता से गोपीपुरा मेमनावाड़ चार रास्ता तक, सगरामपुरा चौकी से मोमनावाड़ चाहर रास्ता तक , गोपीपुरा मेमनावाड़ चार रास्ता से हनुमान चार रास्ता तक के मुखय मार्ग पर वाहनों के आवागमन को प्रतिबंधित किया गया है। 23 से 25 अक्टूबर तक इन मार्गों पर पुलिस वाहन, मनपा वाहन, एम्बुलेंस जैसे वाहनों को प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है।

दिवाली के मौके पर सुनसान घरों को निशाना बनाने वाले सेंधमारों को सेंधमारी के सामान सहित पुलिस ने दबोचा

सूरत। शहर में बढ़ती सेंधमारी तथा वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा बदमाशों पर नकेल कसने के उद्देश्य से पुलिस ने पेट्रोलिंग बढ़ा दी है। पुलिस ने पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस ने सूचना के आधार पर मानदरवाजा टेनामेंट के पीछे से रामप्रकाश राममूरत बिंद (30 वर्ष), निवासी- बी/8, कल्पनानगर , मकरपुर

युवक के अपहरण मामले में वराछा पुलिस ने दो को किया गिरफफ्तार

सूरत। वराछा के हीराबाग स्थित आदर्श नगर सोसायटी निवासी युवक को दो सुधखोरो सहित तीन लोगों द्वारा बाइक पर अपहरण कर पिटाई करने के मामले में वराछा पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार वराछा के हिराबाग स्थित आदर्श नगर सोसायटी निवासी हर्षद कांतिभाई अमरेलिया 30 साड़ियों पर टिक्की चिपकाने की मजदूरी करता है । पैसों की जरूरत होने पर हर्षद ने कुछ समय पहले कामरेज तहसील के पटेलनगर निवासी दिनेश उर्फ विठ्ठल वल्लभभाई भट्टी,भाई लालजी उर्फ लालो वल्लभभाई भट्टी तथा भूपत रबारी सहित तीन लोगों के पास चार टका तथा तीस टके व्याज से 52 लाख रुपए दीये थे । पीड़ित पैसो का भुगतान कर रहे थे उसके बाद भी तीनो सुधखोरो ने अधिक पैसो की मांग कर परेशान कर रहे थे । उसके बादसे 17 अक्टूबर के रोज तीनो सुधखोरो ने हर्षद का अपहरण कर कामरेज ले जाकर उसकी लात धुसे से पिटाई कर जान से खत्म करने की धमकी देकर छोड़ दिया।

हादसे के चलते हर्षद के भाई धर्मेश की शिकायत पर वराछा पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर तीनों सुधखोरो में से दोनो भाई दिनेश उर्फ विठ्ठल तथा लालजी उर्फ लालो को गिरफफ्तार किया है

डायमंड व्यापारी के गले से टुटी 60 हजार की चेन

सूरत। पुनागाव के कारगिल चौक स्थित केवट नगर निवासी एक डायमंड व्यापारी को बाइक्स गिरोह ने निशाना बनाकर गले मे झपट्टा मारकर 60 हजार की सोने की चेन की लूट कर फरार हो गए ।

सरथाणा पुलिस के अनुसार पुनागांव के कारगिल चौक स्थित केवट नगर सोसायटी निवासी रमेश भाई तेजाभाई वसोया (45 वर्ष) डायमंड व्यापारी है ।

सोने का मंगलसूत्र लेकर भाग रहे तीन बदमाशों को पब्लिक ने पकड़ा

सूरत। नवागांव डिंडोली स्थित दीपक नगर निवासी विवाहिता को मुफफ्त में साड़ी देने का झांसा देकर 25 हजार के सोने का मंगलसूत्र चुराकर भागने वाले तीन बदमाशों को पब्लिक ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया।

डिंडोली पुलिस के अनुसार नवागांव डिंडोली स्थित दीपक नगर निवासी रामकिशन जोखई भाई कोरी (47 वर्ष) नौकरी कर परिवार का गुजारा करते है । रामकिशन की पत्नी प्रभावती मंगलवार की शाम डिंडोली ब्रिज के नीचे फाटक के पास के पास से गुजर रही थी । इसी दौरान तीन अनजान युवक पीड़िता के पास आये और मुफ्त में साड़ी दिलाने का झांसा देकर 25 हजार की कीमत का सोने का मंगलसूत्र लेकर भागने लगे इसी दौरान पीड़िता ने चोर चोर की गुहार लगाई और इकठ्ठा हुई पब्लिक ने तीनों बदमाशों को पकड़कर डिंडोली पुलिस के हवाले किया । पुलिस ने प्रभावती की शिकायत पर तीनों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया और तीनों की पूछताछ करने पर अपना नाम लिंम्बायत के गोडादरा आसपास निवासी नागु चंदूभाई तांबे,सोनू सपोंन चौहाण तथा रवि रूपाजी कारे बताया है ।

बेगमपुरा का युवक बना साइबर क्राइम का शिकार

सूरत। सलाबतपुरा के बेगमपुरा स्थित कोरीवाड़ के पांजनिवाद निवासी युवक साइबर क्राइम का शिकार बना होने का मामला सामने आया है । ठगों ने पीड़ित को बैंक के नाम से फोन कर एटीएम की जानकारी प्राप्त कर एकाउन्ट से 25 हजार ट्रान्सफर कर लिए। सलाबतपुरा पुलिस के अनुसार बेगमपुरा के कोरिवाद स्थित पांजनिवाद निवासी अक्षय चंदूभाई राणा (22 वर्ष) नौकरी कर परिवार का गुजारा करता है । 17 अक्टूबर के रोज अक्षय के मोबाइल फोन पर अनजान नंबर से फोन आया था और फोन करने वाले ने अपनी पहचान बैंक के कर्मचारी के तौरपर देकर तुम्हारा एटीएम कार्ड ब्लॉक कर दिया होने का झांसा देकर एटीएम की जानकारी प्राप्त कर खुफिया पासवर्ड जानकर पीड़ित के एकाउन्ट से 25 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर दिया।

वराछा में 1.35 लाख की चोरी

सूरत। वराछा के हिराबाग सर्कल स्थित श्री रामनगर सोसायटी की एक तम्बांकू के गोदाम में अनजान चोर उचकको ने अंदर प्रवेश कर नगद,तम्बाकू सहित 1 लाख 35 हजार की चोरी कर फरार हो गए

वराछा पुलिस के कतार गांव के सिंगनपोर चार रास्ता स्थित राधेश्याम सोसाइटी निवासी किशन मेधजी भाई बगडि़या (36 वर्ष) व्यापारी है वराछा के हिराबाग सर्कल श्री राम नगर सोसाइटी मैं किशनभाई मारुति एंटरप्राइज के नाम से पेढ़ी चलाते हैं रात्रि दौरान अज्ञात चोर उच्चकों ने किशन भाई की बेटी को निशाना बनाया था और पेढ़ी के पिछले हिस्से की खिड़की के जरिये अंदर प्रवेश किया।

तस्करो ने अंदर प्रवेश कर नगद रुपए , तंबाकू के कार्टून सहित 1 लाख 35 हजार की चोरी कर फरार हो गए ,सूचना के चलते पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है। वराछा के हिराबाग सर्कल स्थित श्री रामनगर सोसायटी की एक तम्बांकू के गोदाम में अनजान चोर उचकको ने अंदर प्रवेश कर नगद,तम्बाकू सहित 1 लाख 35 हजार की चोरी कर फरार हो गए

वराछा के हिराबाग सर्कल श्री राम नगर सोसाइटी मैं किशनभाई मारुति एंटरप्राइज के नाम से पेढ़ी चलाते हैं रात्रि दौरान अज्ञात चोर उच्चकों ने किशन भाई की बेटी को निशाना बनाया था।

व्यापारी के साथ 40 लाख की धोखाधड़ी

सूरत। सरथाणा जकात नाका स्थित केशव पार्क सोसायटी निवासी व्यापारी को ठग युवक ने 40 लाख की चपत लगाने का मामला सामने आया है । पीड़ित की सोसायटी में रहने वाले ठग ने पीड़ित को लोन मंजूर करवाने का झांसा देकर उससे उसके दस्तावेज हासिलकर खुद उसपर लोन ले लिया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार सरथाणा जकात नाका स्थित केशव पार्क सोसायटी निवासी अनिल बटुकभाई गजेरा (34 वर्ष) व्यापारी है । पीड़ित को लोन को जरुरत होने के चलते उनकी ही सोसायटी में रहने वाले मेहुल भरत भाई बलर का संपर्क किया था । ठग ने पीड़ित को लोन दिलाने का विश्वास और भरोसा देकर लोन के लिए अलग अलग दस्तावेजो पर हस्ताक्षर करवा कर पीड़ित के नाम पर लोन मंजूर करवाने के बजाए खुद ही लोन ले लिया।

पीड़ित,उसके भाई तथा पिता को गेरेन्टर के तौर पर दस्तावेजो पर बताकर रांदेर रोड की बैंक ऑफ बरोडा की शाखा से पीड़ित मकान के दस्तावेज रख कर 40 लाख की लोन प्राप्त कर ली ।

ठग मेहुल ने लोन दिलाने के बजाए हमारे मकान पर लाखों की लोन ले ली होने को बात पता चलने पर पीड़ित परिवार के पैरों तलेसे जमीन सरक गई और तुरंत सरथाणा थाने में ठग मेहुल के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया पुलिस ने मामले दर्ज कर अग्रिम जांच शरू की है। पीड़ित,उसके भाई तथा पिता को गेरेन्टर के तौर पर दस्तावेजो पर बताकर रांदेर रोड की बैंक ऑफ बरोडा की शाखा से पीड़ित मकान के दस्तावेज रख कर 40 लाख की लोन प्राप्त कर ली ।

टेंम्पो चालक ने ट्रांसपोर्टर की मदद से व्यापारी को लगाया 24.93 लाख का चूना

सूरत। पुनागांव के मातृशक्ति सोसायटी की एक फैक्ट्री के मालिक को टैम्पो चालक ने ट्रांसपोर्टर की मदद से 24 लाख 93 हजार का चूना लगाया होने का मामला सामने आया है ।

पुनागांव पुलिस के अनुसार नानावराछा के चिकुवाड़ी स्थित स्वाति सोसायटी निवासी धनश्याम भाई जगदीश भाई जलोदरा (31 वर्ष) व्यापारी है । पुनागांव की मातृशक्ति सोसायटी में धनश्याम भाई साड़ियों तथा स्टोन मटीरियल का कारोबार करते है । उनका कारोबार अधिक सौराष्ट्र के बोटाद में चलता है । सौराष्ट्र के बोटाद जिले का निवासी भरत जीतू भाई पगी नामक टेंम्पो चालक के साथ पीड़ित ने 24 लाख 93 हजार की साड़िया तथा स्टोन मटीरियल सहित कई चीजों की डिलीवरी करने भेजा था । चालक ने किरीट हरिभाई मोरी, अरविंद करसन भाई प्रजापति, तथा दशरथ धीरूभाई पढियार की मदद से लाखों का माल डिलिवरी करने के बाजए लेकर फरार हो गए । हादसे के चलते पीड़ित की शिकायत पर पुनागांव पुलिस ने चारों ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शरू की है ।

अडाजन पुलिस ने 33 हजार की शराब के साथ एक को दबोचा

सूरत। शहर की अडाजन पुलिस को सूचना मिलने पर थाना क्षेत्र के अंकुर सोसायटी के एक मकान में छापा मारकर धर के बेडरूम से 33 हजार की विदेशी शराब के साथ एक जने को गिरफ्तार किया ।

अडाजन पुलिस के अनुसार स्टाफ के पुलिसकर्मियों को सूचना मिली थी कि अडाजन के अंकुर सोसायटी के घर नंबर 18 में अवैध रूप से शराब बेची जा रही है सूचना के चलते पुलिस ने मौके पर छापा मारकर अवैध रूप से शराब बेच रहे हैं मकान मालिक अमित देवचंद भाई कहार को गिरफ्तार किया है पुलिस ने मौके पर से 35,000 की शराब की बोतल सहित का मुद्दा माल जप्त किया है । अंकुर सोसायटी के एक मकान में छापा मारकर धर के बेडरूम से 33 हजार की विदेशी शराब के साथ एक जने को गिरफ्तार किया ं मकान मालिक अमित देवचंद भाई कहार को गिरफ्तार किया है 35,000 की शराब की बोतल सहित का मुद्दा माल जप्त।

गुजरात का लगातार दौरा कर रहे मोदी, क्या नर्वस हैं भाजपा : हार्दिक पटेल

एक माह में 4 बार गुजरात का दौरा कर चुके हैं मोदी

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान भले ही ना हुआ हो,लेकिन राजनीतिक पार्टियों की जंग शुरू हो गई है। उधर पीएम मोदी के लगातार गुजरात दौर करने पर विरोधी इस गुजरात में भाजपा की हार बात रहे है। क्योंकि पीएम लगातार गुजरात का दौर कर योजनाओं की बौछार कर रहे है। इस बीच इस बार के चुनाव में अहम भूमिका निभा रहे पाटीदार नेता हार्दिक पटेल ने बुधवार सुबह ट्वीट कर भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसा। हार्दिक ने ट्वीट किया,गुजरात चुनाव लड़ने की लिए भाजपा अभी तैयार नहीं हैं,मतलब असक्षम हैं। हँसी आ रही हैं, हाँ हाँ हाँ हाँ हाँ। मोदी जी बार-बार गुजरात आ रहे है, क्या भाजपा नर्वस हैं !!!'' । गौरतलब है कि पीएम मोदी पिछले एक महीने में करीब 4 बार गुजरात का दौरा कर चुके हैं। अगले हफ्ते पीएम फिर गुजरात जा सकते हैं। आपको बता दें कि हार्दिक पटेल पाटीदारों को आरक्षण देने की मांग कर रहे हैं। गुजरात की बीजेपी सरकार पिछले काफी समय से हार्दिक के निशाने पर है। आज तक के कार्यक्रम में हार्दिक ने कहा था कि भारत की पहचान ही अनेकता में एकता है। जब से देश है तब से जाति है। एक करोड़ 20 लाख पाटीदार हैं। मैं जिस कौम से आता हूं उसकी बात करना मेरा फर्ज है। पटेल ने कहा कि यदि मोदी सरकार या कोई भी सरकार अंग्रेज बनने की कोशिश करेगी तो आम आदमी के पास भगत सिंह बनने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। हार्दिक ने कहा कि संविधान में आरक्षण की बात कही गई है, तो उसी संविधान में सबके अधिकार की भी बात कही गई है। आज पटेल समुदाय की हालत काफी खराब है। इसलिए उसे आरक्षण मिलना चाहिए। ओबीसी कोटे को 27 फीसदी से बढ़ाकर 30 से 32 फीसदी करें और पटेलों को ओबीसी में शामिल करें। पाटीदारों को आरक्षण चाहिए सरकार चाहे जहां से लाकर दे। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने हाल ही में हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दिया है। लेकिन गुजरात की तारीखों का ऐलान अभी नहीं हुआ है।

इंदिरा गांधी के स्टेच्यू से छेड़छाड़, हाथ में थैली लटका जाता है

राजकोट। यूनिवर्सिटी रोड पर इंदिरा सर्कल में रखी गई इंदिरा गांधी के स्टेच्यू के हाथ में दो दिनों से कोई वेफर का पेकेट और थैली रख रहा है। इसके पहले भी इस प्रतिमा के साथ इस तरह की हरकत हो चुकी है। इससे कांग्रेसियों में नाराजगी देखी जा रही है। आश्चर्य इस बात का है कि यहां लगातार ट्रेफिक होने के बाद भी इस तरह की हरकत कौन कर रहा है, यह पता नहीं चल पाया है। सीसीटीवी कैमरे की जांच की मांग ?

इंदिरा चौक पर स्थापित की गई इंदिरा गांधी के स्टेच्यू के साथ इसके पहले भी इस तरह की हरकत हो चुकी है। यहां लगातार ट्रेफिक रहता है, उसके अलावा सीसीटीवी कैमरे भी लगे हुए हैं।

अब कांग्रेस ने लगाया केन्द्र सरकार पर गुजरातसे अन्याय का आरोप

अहमदाबाद (ईएमएस)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि केन्द्र की भाजपा सरकार पर सर्व शिक्षा अभियान के तहत कम धन आवंटन कर गुजरात के साथ अन्याय किया है। गुजरात की भाजपा सरकार को राईट टू एज्यूकेशन (आरटीई) एक्ट का अमल वर्ष 2010 से करना था, इसके बावजूद 2014 तक एक भी विद्यार्थी को शिक्षा के मूलभूत अधिकार के तहत प्रवेश न देकर गरीब और सामान्य परिवारों के साथ अन्याय किया है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि राज्य की 552 ग्रांटेड और 75 सरकारी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्कूलों में कंप्यूटर विषय दाखिल किया गया है, परंतु इस विषय को पढ़ाने के लिए किसी स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति नहीं की गई। सरकार से कई दफा पेशकश के बावजूद वर्ष 2014 में कंप्यूटर शिक्षक के लिए टेट की परीक्षा ली गई थी। जिसके बाद लंबे अर्से तक भर्ती नहीं की गई। फरवरी 2017 में कंप्यूटर विषय में टेट उत्तीर्ण होनेवाले बेरोजगार युवक-युवतियों का उपहास करते हुए केवल 17 जगहों का ऐलान किया और उसे भी बाद में रद्द कर दिया गया। उन्होंने कहा कि केन्द्र की तत्कालीन कांग्रेस की सरकार ने कंप्यूटर शिक्षा के लिए करोड़ों रुपए गुजरात समेत अन्य राज्यों को आवंटित किए होने के बावजूद स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षकों के अभाव में गुजरात के विद्यार्थी कंप्यूटर शिक्षा से वंचित रहे। फिक्स वेतन प्रथा, कोन्ट्रेक्ट प्रथा, एड होक, आउट सोर्सिंग के नाम पर 15 लाख युवाओं का गुजरात सरकार आर्थिक शोषण कर रही है। राज्य में उच्च प्राथमिक स्कूलों में गणित-विज्ञान के 2413 शिक्षकों की जगह लंबे समय से रिक्त हैं। राज्य में 456 सरकारी और 1520 ग्रांटेड माध्यमिक स्कूलें बगैर आचार्य के चल रही हैं। जबकि 1327 सरकारी स्कूलों और 1866 ग्रांटेड स्कूलों में सहायक शिक्षकों की जगह लंबे समय से खाली है। फरवरी 2017 में कंप्यूटर विषय में टेट उत्तीर्ण होनेवाले बेरोजगार युवक-युवतियों का उपहास करते हुए केवल 17 जगहों का ऐलान किया और उसे भी बाद में रद्द कर दिया गया। राज्य में गुणोत्सव के नतीजों के मुताबिक 11822 प्राथमिक स्कूलें कमजोर और 2373 प्राथमिक स्कूलों काफी कमजोर हैं। राज्य की प्राथमिक स्कूलों में 13140 शिक्षकों के पद काफी समय से रिक्त पड़े हैं।

अकलेजिआ कार्डिएक से पीड़ित था बच्चा, चार साल बाद खा पाएगा ठोस आहार

अहमदाबाद (ईएमएस)। पेशे से सब्जी व्यवसायी राजू भाई का चार साल का बेटा आजाद दंतानी जन्म के बाद से ही दुर्लभ बीमारी से पीड़ित था। इसकी वजह से वह कोई भी ठोस आहार नहीं खा पाता था। परेशान माता-पिता ने अंतत: स्थानीय वीएस हॉस्पिटल के डॉक्टरों से सलाह ली। डॉक्टरों ने आपरेशन कराने का सुझाव दिया। डाक्टरों ने मंगलवार को उसका आपरेशन किया, जिसके बपाद अब आजाद ठोस आहार ले सकेगा। इस पूरे मामले में खास बात यह है कि अस्पताल ने आजाद के इलाज के लिए कोई शुल्क नहीं लिया। डॉक्टरों ने बताया आजाद जन्म के बाद से ही अकलेजिआ कार्डिएक रोग से पीड़ित है। डाक्टरों ने बताया कि कोई व्यक्ति जब भोजन को निगलता है तो भोजन नलिका के निचले हिस्से में पाया जाने वाला स्फिंगक्टर (मांसपेशी का छल्ला) खुलता है और खाने को पेट में जाने देता है। तंत्रिका कोशिकाएं स्फिंगक्टर की खुलने और बंद होने की प्रक्रिया को नियंत्रित करती हैं। जो लोग अकलेजिआ कार्डिएक से पीड़ित होते हैं, उनकी तंत्रिका कोशिकाएं धीरे-धीरे निष्क्रिय हो जाती हैं। इन कोशिकाओं के न होने से स्फिंगक्टर को आराम करने का मौका नहीं मिलता। एक लक्षण यह भी है कि इसके मरीज का वजन तेजी से गिरने लगता है। बच्चे की सर्जरी करने वाले डॉक्टर सुधीर चंद्रा ने बताया आजाद और उसके पिता राजू तीन सप्ताह पहले अस्पताल आए थे। टेस्ट के बाद पता चला कि बच्चे को अकलेजिआ कार्डिएक है, जो 20 लाख बच्चों में से किसी एक को होता है। मैं यहां पिछले 12 साल काम कर रहा हूं।

चुनाव आयोग को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात उच्च न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश के साथ ही गुजरात के लिए विधानसभा चुनाव की तारीख घोषित नहीं करने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एजे शास्त्री की अवकाशकालीन पीठ ने प्रफुल्ल देसाई की जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया क्योंकि याचिकाकर्ता इस मामले की आवश्यकता के बारे में अदालत को समझा नहीं पाया। इस कारण सुनवाई करने से इंकार कर दिया है। अपनी याचिका में देसाई ने कहा था कि पहले दो बार चुनाव आयोग ने गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनावों की तारीखें घोषित की थीं लेकिन इस बार उसने गुजरात के लिए आदर्श आचार संहिता के क्रियान्वयन को रोक लिया और राज्य सरकार को ढेर सारी योजनाओं की घोषणा करने दी। चुनाव आयोग ने हाल ही में हिमाचल प्रदेश के चुनाव की तारीखें घोषित की हैं लेकिन उसने गुजरात विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित नहीं किया। इससे राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने चुनाव आयोग के फैसले को प्रभावित किया है।

दीपावली पर सोमनाथ मंदिर में विशेष व्यवस्था

अहमदाबाद (ईएमएस)? दीपावली और नूतन वर्ष पर सौराष्ट्र स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ महादेव के दर्शन करने बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का जमावड़ा होता है, जिसे ध्यान में रखते हुए सोमनाथ मंदिर में विशेष व्यवस्था की गई है? सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट ने श्रद्धालु शांतिपूर्ण रूप से भगवान भोले बाबा के शांतिपूर्ण ढंग से दर्शन कर सकें इस उद्देश्य से पुलिस प्रशासन के साथ संकलन कर विभिन्न इंतजाम किया है? अतिथि गृह में ठहरनेवाले यात्री भी दीपावली के त्यौहरों में शामिल हो सकें, उसके लिए दीपोत्सव का खास आयोजन किया गया है? यात्रियों के लिए उत्सव यादगार और ऊर्जा प्रदान करने वाले होते हैं जिसे ध्यान में रखते हुए प्रति वर्ष की भांति सोमनाथ में विशेष दीपावली महोत्सव के तौर पर मनाया जाता है? इस बार 17 अक्टूबर से प्रारंभ हुए दीपावली महोत्सव में सोमनाथ मंदिर में धनतेरस से नूतन वर्ष तक प्रति दिन विशेष श्रृंगार, सायं के दीपमालिका गर्भगृह और नृत्यमंडप में रंगोली की जाएगी? 19 अक्टूब यानि दीपावली के अवसर पर 4 से 6 पार्वतीजी का राजोपचार पूजन किया जाएगा? लक्ष्मी पूजन और व्यवसायिक साहित्य पूजन शाम 7.30 से 8.15 बजे के दौरान किया जाएगा? 20 अक्टूबर नूतन वर्ष के प्रारंभ में प्रात: आरती में विश्व कल्याण समेत विश्व शांति के लिए श्री सोमनाथ महादेव की याचना की जोगी? सायं 4 से 6 बजे गीता

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं ताप्तीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com